

समाचार सार

शादी की जिद में लगातार दूसरे दिन मोबाइल टावर पर चढ़ी युवती, युवक के समझाने पर उतरी नीचे

मनातू (पलामू): जिले के मनातू थाना क्षेत्र के पदमा स्थित सूर्य मंदिर के समीप शादी की मांग को लेकर 18 वर्षीय युवती लगातार दूसरे दिन रविवार को करीब 150 फीट ऊंचे बीएसएनएल मोबाइल टावर पर चढ़ गई। युवती पकरीयाडीह की निवासी है और देवडीहडीह गांव के सुनील यादव से शादी करना चाहती है। युवक के शादी से इनकार करने पर उसने यह कदम उठाया।

इससे पहले शनिवार को भी युवती शादी की मांग को लेकर टावर पर चढ़ गई थी। उस समय पुलिस, परिजनों और ग्रामीणों के समझाने पर वह करीब एक घंटे बाद नीचे उतरी थी। इसके बाद उसने मनातू थाने में सुनील यादव पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर युवक को गिरफ्तार कर लिया था।

दो घंटे तक बनी रही अनहोनी की आशंका: रविवार को युवती के दोबारा टावर पर चढ़ने की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। मनातू थाना प्रभारी विक्की कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और युवती को सुरक्षित नीचे उतारने का प्रयास किया। करीब दो घंटे तक पुलिस और ग्रामीण उसे समझाते रहे, लेकिन वह शादी की मांग पर अड़ी रही।

इसी दौरान युवक सुनील माला लेकर मौके पर पहुंचा और युवती को समझाया। युवक के समझाने और आश्वासन देने के बाद युवती सुरक्षित नीचे उतर आई। उसके नीचे उतरने के बाद पुलिस और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

चतरा सांसद कालीचरण सिंह की तबीयत बिगड़ी, मिलने पहुंचे दुल्लू महतो



चतरा: सांसद कालीचरण सिंह के अस्वस्थ होने की सूचना मिलने पर धनबाद के सांसद दुल्लू महतो चतरा स्थित उनके आवास पर पहुंचे। यहां उन्होंने सांसद कालीचरण सिंह से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

दुल्लू महतो ने आवास पर पहुंचकर जाना हालचाल: सांसद दुल्लू महतो ने कालीचरण सिंह से मुलाकात कर उनकी तबीयत के बारे में जानकारी ली। इस दौरान हजारीबाग के विधायक प्रदीप प्रसाद समेत कई नेता भी मौजूद रहे। सभी ने सांसद के स्वास्थ्य का हाल जाना और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की, ताकि वे फिर से जनसेवा के कार्यों में लौट सकें।

एक सप्ताह से कमर दर्द से परेशान हैं सांसद: जानकारी के अनुसार, सांसद कालीचरण सिंह पिछले एक सप्ताह से कमर दर्द से परेशान हैं। दर्द के कारण उन्हें ठीक से चलने-फिरने में परेशानी हो रही है। इसके साथ ही बैठने और उठने में भी उन्हें तकलीफ का सामना करना पड़ रहा है।

मुलाकात के दौरान पुत्र नीतीश कुमार भी रहे मौजूद: इस मुलाकात के दौरान सांसद कालीचरण सिंह के पुत्र नीतीश कुमार भी उपस्थित थे। नेताओं ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस मुलाकात को नेताओं के बीच आपसी सौहार्द और आत्मीयता के रूप में देखा जा रहा है, जो उनके पिछले सार्वजनिक कार्यक्रमों में साथ देखे जाने के बाद अब और मजबूत हुई है।

विधायक जयराम महतो ने मां छिन्नमस्तिके मंदिर में की पूजा-अर्चना



रामगढ़: दुमरी विधायक डॉ जयराम कुमार महतो रविवार को अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं के साथ प्रसिद्ध सिद्धपीठ रजरप्पा स्थित छिन्नमस्तिका मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने मां छिन्नमस्तिके के

दरबार में विधिवत पूजा-अर्चना कर माथा टेका और माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

विधायक के मंदिर पहुंचने पर उनके साथ आये समर्थकों और कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया। सभी ने श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मां छिन्नमस्तिके की पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में इस दौरान भक्तिमय माहौल बना रहा। ज्ञात हो कि रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिके मंदिर झारखंड के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। यहां प्रतिदिन झारखंड समेत बिहार, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता रानी के दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं के बीच इस सिद्धपीठ की विशेष धार्मिक मान्यता है।

नरेश चंद्र कार्जी राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक संघ के सचिव मनोनीत



मुुरी: नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक संघ की कार्यकारिणी की बैठक में झारखंड की ओर से शामिल हुए नरेश चंद्र कार्जी को राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक संघ का राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया गया। नरेश चंद्र कार्जी के राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर झारखंड प्रदेश वरिष्ठ नागरिक संघ, सिल्ली मुख्यालय से जुड़े वरिष्ठ नागरिकों ने उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर कार्जी ने कहा कि नई जिम्मेदारी से संगठन की मजबूती मिलेगी और वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए काम में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के हितों और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संगठन लगातार प्रयास करता रहेगा। नरेश चंद्र कार्जी जन समस्या समाधान समिति के झारखंड प्रदेश महासचिव भी हैं।

राहे में ग्रामीण सड़क निर्माण का शिलान्यास विधायक अमित महतो ने रखी आधारशिला



मुुरी: मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत राहे प्रखंड में सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास सिल्ली विधायक अमित महतो ने किया। प्रस्तावित सड़क बसंतपुर से निश्चितपुर होते हुए पारमपाता तक बनाई जाएगी।

शिलान्यास कार्यक्रम गांव की बुजुर्ग महिला रमनी देवी के हाथों संपन्न कराया गया। इस अवसर पर विधायक ने उन्हें अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अमित महतो ने कहा कि यह अबुआ सरकार है और झारखंड की जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग और आशीर्वाद से सड़क निर्माण का कार्य पूरा किया जाएगा। इस सड़क का निर्माण ग्रामीण विकास अभियंत्रण विभाग, रांची प्रमंडल की ओर से कराया जाएगा।

सिटी

झारखंड में 631 अनुपस्थित डॉक्टरों पर कार्रवाई की तैयारी, 15 दिन में देना होगा सेवा में होने का प्रमाण

स्वास्थ्य विभाग ने नोटिस जारी कर मांगा जवाब, अन्य 64 चिकित्सकों से भी स्पष्टीकरण तलब



रिपोर्ट के अनुसार, कुल 695 चिकित्सक लंबे समय से ड्यूटी से

अनुपस्थित हैं। ये चिकित्सक झारखंड लोक सेवा आयोग के

माध्यम से अलग-अलग समय पर नियुक्त हुए थे।

64 डॉक्टरों से भी मांगा गया स्पष्टीकरण: विभागीय रिपोर्ट के अनुसार, 631 चिकित्सक वर्तमान में किसी स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत नहीं पाए गए हैं। विभाग ने उन्हें 15 दिनों के भीतर सेवा में होने का प्रमाण देने का निर्देश दिया है। ऐसा नहीं करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बर्खास्तगी के प्रस्ताव पर झारखंड लोक सेवा आयोग का अनुमोदन और राज्य मंत्रिमंडल की स्वीकृति भी आवश्यक होगी।

इसके अलावा, विभाग ने 64 ऐसे चिकित्सकों की पहचान की है, जो सेवा में होने के बावजूद लंबे समय से अनधिकृत रूप से ड्यूटी से अनुपस्थित हैं। इन चिकित्सकों से भी 15 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

उनसे पूछा गया है कि अनधिकृत अनुपस्थिति के लिए उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों नहीं की जाए।

सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के सामने चुनौती: राज्य में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में चिकित्सकों की उपलब्धता और उनकी नियमित उपस्थिति लंबे समय से चुनौती बनी हुई है। बताया जाता है कि कुछ चिकित्सक नियुक्ति के बाद पसंदीदा स्थान पर पदस्थापन नहीं होने के कारण योगदान नहीं देते या योगदान देने के बाद ड्यूटी से अनुपस्थित रहने लगते हैं। कई चिकित्सक औपचारिक रूप से त्यागपत्र भी नहीं देते, जिससे विभाग को उनके विरुद्ध कार्रवाई करनी पड़ती है।

लातेहार पुलिस ने बरामद किए 38 खोए मोबाइल, असली मालिकों को सौंपा



संजय कुमार यादव

लातेहार: लातेहार पुलिस ने गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार, 25 अक्टूबर को 38 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर साइबर सेल की मदद से यह कार्रवाई की गई।

इस दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) ने बरामद मोबाइल फोन उनके मालिकों को सौंपे। लंबे समय से अपने खोए हुए मोबाइल की तलाश कर रहे लोगों को फोन वापस मिलने पर खुशी हुई। लोगों ने पुलिस की इस पहल के लिए राहत जताई। सीईआईआर पोर्टल से दर्ज कराए शिकायत: लातेहार पुलिस गुम हुए मोबाइल फोन का पता लगाने के लिए सीईआईआर पोर्टल का उपयोग कर रही है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि मोबाइल फोन गुम होने पर संचार साथी पोर्टल के सीईआईआर विकल्प के माध्यम से शिकायत दर्ज कराएं। साथ ही, नजदीकी थाने को भी इसकी सूचना दें, ताकि आवश्यक कार्रवाई कर मोबाइल की बरामदगी का प्रयास किया जा सके।

मुुरी में गिट्टी लदा ट्रैक्टर पलटा, जर्जर सड़क पर ग्रामीणों ने जताई चिंता



मुुरी: मुुरी क्षेत्र के गोडाडीह पंचायत अंतर्गत रानीहारा, केरला तेतर के समीप गिट्टी से लदा एक ट्रैक्टर पलट गया। ट्रैक्टर का मालिक सिल्ली के बुढ़ाम क्षेत्र का निवासी बताया जा रहा है। घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी

उपलब्ध नहीं हो सकी है।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, सड़क की स्थिति बेहद खराब है। रास्ते में जगह-जगह गड्ढे हैं और सड़क उबड़-खाबड़ हो चुकी है। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग पर पैदल चलना भी मुश्किल है, जबकि वाहनों का परिचालन जोखिम भरा बना हुआ है।

ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में दुर्घटनाओं की आशंका कम हो सके।

बंता हजाम में पेड़ों की कथित अवैध कटाई से ग्रामीण चिंतित, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

गमुुरी: बंता हजाम क्षेत्र में पेड़ों की

कथित अंधाधुंध कटाई का मामला

सामने आया है। स्थानीय लोगों का

आरोप है कि सड़क किनारे स्थित जंगलों में पेड़ों को काटकर चोरी-छिपे बेचा जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, पेड़ों की कटाई के बाद उनके तनों को जमीन पर छोड़ दिया जाता है और सुबह के समय



ट्रैक्टर पर लादकर ले जाने की गतिविधियां होती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जंगल में छोटे-बड़े कई पेड़ काटे गए हैं। इस मामले में प्रशासन की निष्क्रियता पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने वन विभाग और प्रशासन से मामले की जांच कराने, कटाई की अनुमति और परिवहन से संबंधित दस्तावेजों की जांच करने तथा दोषियों की पहचान कर कार्रवाई करने की मांग की है। हालांकि, पेड़ों की कटाई और लकड़ी की बिक्री से जुड़े आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

चंदवा के निजी क्लीनिक में महिला की मौत इंजेक्शन देने के बाद तबीयत बिगड़ने का आरोप

आराध्या क्लीनिक की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल, पैथोलॉजी और एक्स-रे संचालन की जांच की मांग, सिविल सर्जन ने रिपोर्ट के बाद कार्रवाई की बात कही

संवाददाता

चंदवा (लातेहार): चंदवा स्थित आराध्या क्लीनिक में इलाज के दौरान सीता देवी (उम्र लगभग 60 से 65 वर्ष) की मौत का मामला सामने आया है। मृतका बौदा टोला, जामुन टोला निवासी रामटहल गंजू की पत्नी थीं। परिजनों के अनुसार, तबीयत खराब होने पर वह क्लीनिक पहुंची थीं। आरोप है कि क्लीनिक संचालक नागेंद्र कुमार ठाकुर द्वारा इंजेक्शन दिए जाने के बाद उनकी मौत हो गई। घटना के बाद क्लीनिक की कार्यप्रणाली और क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

मौत के बाद एक्स-रे कक्ष में शव रखने का आरोप: परिजनों



का आरोप है कि महिला की मौत के बाद उनके शव को क्लीनिक के एक्स-रे कक्ष में रखा गया। करीब एक घंटे बाद क्लीनिक संचालक ने निजी वाहन से शव को घर पहुंचाया। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों और घटना



के बाद की परिस्थितियों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। पैथोलॉजी और एक्स-रे संचालन की जांच की मांग: क्लीनिक में पैथोलॉजी जांच और एक्स-रे सुविधा के

संचालन को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। स्थानीय स्तर पर आवश्यक पंजीकरण, लाइसेंस और योग्य तकनीकी कर्मियों की उपलब्धता की जांच कराने की मांग की जा रही है। इन आरोपों

की अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

स्वास्थ्य विभाग से क्लीनिक के पंजीकरण, संचालक की चिकित्सकीय योग्यता, एक्स-रे मशीन के वैधानिक अनुमोदन और उपलब्ध जांच सुविधाओं की जांच कराने की मांग की गई है।

80 हजार रुपये दिए जाने की चर्चा: महिला की मौत के बाद मामले को आपसी समझौते से सुलझाने की चर्चा भी सामने आई है। सूत्रों के हवाले से परिजनों को करीब 80 हजार रुपये दिए जाने की बात कही जा रही है। हालांकि, इस भुगतान और कथित समझौते की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। खबर लिखे जाने तक चंदवा थाने में लिखित शिकायत दर्ज होने की

जानकारी भी सामने नहीं आई थी। स्थानीय लोगों ने क्लीनिक में पूर्व में भी इलाज के दौरान मरीजों की मौत होने के आरोपों की जांच की मांग की है। इन दावों की पुष्टि के लिए संबंधित रिकॉर्ड और चिकित्सकीय दस्तावेजों की जांच जरूरी है।

जांच रिपोर्ट मिलने के बाद होगी कार्रवाई : सिविल सर्जन लातेहार के सिविल सर्जन राजमोहन खलखो ने बताया कि इस मामले में चंदवा के प्रभारी से बात हुई है और उन्हें जांच रिपोर्ट तैयार कर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि अभी तक रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है। रिपोर्ट मिलने और जांच पूरी होने के बाद ही उनकी कार्रवाई की जाएगी।

एचईसी के 260 क्वार्टरों पर अवैध कब्जा हर साल 2.19 करोड़ के राजस्व का नुकसान

संवाददाता

रांची: आर्थिक संकट से जूझ रहे हैवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचईसी) के आवासीय परिसर में बेहतर स्थिति वाले 260 क्वार्टरों पर अवैध कब्जा है। इन आवासों को खाली कराकर किराये या लीज पर दिया जाता, तो संस्थान को सालाना करीब 2.19 करोड़ रुपये का राजस्व मिल सकता था। आरोप है कि प्रबंधन की लापरवाही के कारण कंपनी को हर साल संभावित आय का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

एचईसी के 11,109 क्वार्टरों में से 3,177 पर संस्थान का अधिकार: एचईसी के आवासीय परिसर में कुल 11,109 क्वार्टर हैं। इनमें से 1,148 क्वार्टर राज्य सरकार को हस्तांतरित किए जा चुके हैं, जबकि 6,784 आवास दीर्घकालीन लीज पर दिए गए हैं। इस प्रकार संस्थान के पास 3,177 क्वार्टर शेष हैं।

इनमें विभिन्न श्रेणियों के 277 आवास खाली पड़े हैं। इनमें 17



एफ-टाइप क्वार्टर भी शामिल हैं, जो अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक (सीएमडी) और निदेशकों के लिए आरक्षित हैं। इन आवासों को पूरी तरह सुरक्षित बताया गया है। वहीं, शेष 260 बेहतर स्थिति वाले क्वार्टरों पर अनधिकृत लोगों का कब्जा है।

बताया जाता है कि कई क्वार्टरों पर पूर्व कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने या त्यागपत्र देने के

बाद कब्जा कर लिया गया। आरोप है कि कुछ लोगों ने ताले तोड़कर इन आवासों में रहना शुरू कर दिया, लेकिन प्रबंधन को इसकी जानकारी तक नहीं है।

500 से अधिक जर्जर क्वार्टरों में भी अवैध रूप से रह रहे लोग: एचईसी परिसर में अवैध कब्जे की समस्या केवल बेहतर स्थिति वाले आवासों तक सीमित नहीं है। संस्थान की

ओर से कंडम घोषित किए जा चुके 500 से अधिक जर्जर क्वार्टरों में भी लोग अवैध रूप से रह रहे हैं। इन असुरक्षित आवासों में रहने वालों की निगरानी नहीं होने से परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

इससे पहले राजधानी रांची में एक बड़े कारोबारी के बेटे के अपहरण के बाद उसे एचईसी

छह माह में रांची के 40 हजार नए घरों तक पीएनजी पहुंचाने का लक्ष्य, 14 इलाकों में बिछेगी पाइपलाइन

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची में अगले छह महीनों के दौरान 40 हजार नए घरेलू उपभोक्ताओं तक पाइपलाइन से प्राकृतिक गैस (पीएनजी) पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। गेल (इंडिया) लिमिटेड इसके लिए शहर में गैस आपूर्ति के बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा। फिलहाल रांची में करीब 35 हजार परिवारों को पाइपलाइन के माध्यम से रसोई गैस की आपूर्ति की जा रही है।

योजना पूरी होने के बाद हजारों नए परिवारों को पीएनजी



की सुविधा मिलेगी। इससे उपभोक्ताओं को रसोई गैस सिलिंडर की बुकिंग, डिलीवरी और रखरखाव से जुड़ी परेशानियों से राहत मिलने की उम्मीद है। गेल का जोर गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे

के विस्तार पर है।

रांची के 14 नए इलाकों में बिछेगी गैस पाइपलाइन: गेल ने रांची के 14 इलाकों को पीएनजी नेटवर्क से जोड़ने के लिए चिह्नित किया है। इनमें हेहल, चुटिया, नोवागढ़ अथवा नोव नगर, काजू बागान, पुलिस लाइन, लालपुर,

मेन रोड, बहु बाजार, वीर कुंवर सिंह कॉलोनी और महावीर नगर शामिल हैं। इसके अलावा सेल नगर, पहाड़ी मंदिर क्षेत्र, किशोरगंज और महिलौंग में भी चरणबद्ध तरीके से पाइपलाइन बिछाई जाएगी।

पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार होने के साथ ही संबंधित क्षेत्रों के घरों को पीएनजी कनेक्शन से जोड़ा जाएगा। इससे शहरी आबादी को सीधे पाइपलाइन के जरिए रसोई गैस उपलब्ध हो सकेगी। पीएनजी कनेक्शन मिलने से उपभोक्ताओं को सिलिंडर बुकिंग और उसकी डिलीवरी के लिए इंतजार करने की जरूरत भी कम होगी।

विकास से कोसों दूर है लेस्लीगंज पश्चिमी क्षेत्र बुनियादी सुविधाओं का अभाव: रत्नावली कुमारी

हर गांव तक सड़क और पानी जैसी सुविधाएं पहुंचाना प्राथमिकता, जल्द शुरू होगा जनसंपर्क अभियान



मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर: लेस्लीगंज पश्चिमी जिला परिषद क्षेत्र आज भी विकास से कोसों दूर है। विकास के दावों के बावजूद क्षेत्र के कई गांवों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। यह बातें जिला परिषद सदस्य प्रत्याशी रत्नावली कुमारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही।

उन्होंने कहा कि सांगबार डैम टोला, जैतुखाड़, ठकुराई दिदरी, माधो दिदरी और खेराट समेत कई गांव बरसात के दिनों में मुख्यालय के काफी परेशानी होती है। वहीं, कई इलाकों में लोगों को पेयजल के लिए दूर-दराज के स्थानों पर जाना पड़ता है।

रत्नावली कुमारी ने कहा कि जनता को यह जानने का पूरा अधिकार है कि पिछले कार्यकाल में जिला परिषद मद से क्षेत्र के

विकास के लिए कितनी राशि खर्च की गई और उससे लोगों को कितना लाभ मिला। जनता को केवल वादे नहीं, बल्कि विकास कार्यों का स्पष्ट हिसाब चाहिए।

उन्होंने कहा कि उनका संकल्प सामाजिक भेदभाव से ऊपर उठकर लेस्लीगंज पश्चिमी क्षेत्र के प्रत्येक गांव की आवाज बनना है। सड़क, पानी और अन्य बुनियादी समस्याओं का समाधान कर क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए ठोस पहल की जाएगी।

रत्नावली कुमारी ने बताया कि जल्द ही क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क अभियान शुरू किया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक गांव और टोले में लोगों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों को जाना जाएगा। साथ ही, स्थानीय लोगों की कमेंटियां गठित कर गांवों की प्राथमिक समस्याओं को चिह्नित किया जाएगा। इन्होंने समस्याओं के आधार पर विकास की रूपरेखा तैयार कर आगे की पहल की जाएगी।

चक्रधरपुर के तीन छठ घाटों पर होगी भव्य गंगा आरती, तैयारियां तेज

केन्द्रीय दुर्गा पूजा समिति की समीक्षा बैठक में नई कमेटी का गठन, घाटों की साफ-सफाई और आकर्षक विद्युत सज्जा पर रहेगा विशेष जोर



संवाददाता

चक्रधरपुर: दुर्गा पूजा के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन में सहयोग देने वाली पूजा समितियों, प्रशासन, नगर परिषद तथा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। साथ ही आगामी छठ पूजा की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए आयोजन को बेहतर ढंग से संपन्न कराने के लिए नई कमेटी का गठन किया गया।

नई कमेटी को सौंपी गई जिम्मेदारी: बैठक में सर्वसम्मति से विधायक सुखराम उरांव और अशोक पाडंगी को संरक्षक बनाया गया। वहीं, सन्नी उरांव को अध्यक्ष, विजय साव को उपाध्यक्ष तथा संजय पासवान को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। नई कमेटी के गठन के साथ ही छठ पूजा की

गई। बैठक में दुर्गा पूजा के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन में सहयोग देने वाली पूजा समितियों, प्रशासन, नगर परिषद तथा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

समिति के सदस्यों ने कहा कि छठ पूजा चक्रधरपुर के लोगों की आस्था और परंपरा से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। ऐसे में छठ जतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी संबंधित समितियों, प्रशासन और स्थानीय नागरिकों के सहयोग से आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।

तीन घाटों पर होगी भव्य गंगा आरती: इस वर्ष छठ पूजा के दौरान संजय नदी के सीढ़ी घाट, बालिया घाट और मुक्तिनाथ धाम घाट पर गंगा आरती आयोजित करने की योजना है। इस आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष

के एक क्वार्टर में छिपाकर रखने की अपराधिक घटना भी सामने आ चुकी है। ऐसे में आवासों पर अनधिकृत कब्जे और निगरानी की कमी को लेकर चिंता जताई जा रही है।

मजदूर यूनियनों ने प्रबंधन की कार्यशैली पर उठाए सवाल: हटिया कामगार यूनियन के उपाध्यक्ष लालदेव सिंह ने आरोप लगाया कि संस्थान की स्थिति लावारिस जैसी हो गई है। उनका कहना है कि जब लोग क्वार्टरों के ताले तोड़कर उनमें रहने लगते हैं, तो नगर प्रशासन विभाग के अधिकारी कथित तौर पर उनसे हर महीने अवैध रूप से किराया वसूलते हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि 10 वर्षों के लिए आवंटित दुकानों की लीज और लीव लाइसेंस का नवीनीकरण भी बंद पड़ा है। इससे संस्थान की संपत्तियों के समुचित प्रबंधन और उनसे राजस्व जुटाने की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

झारखंड के यात्रियों को सौगात: जयपुर के लिए नई एक्सप्रेस ट्रेन शुरू

सांतरागाछी से खातीपुरा तक चलेगी ट्रेन, झारखंड के 11 प्रमुख स्टेशनों पर होगा ठहराव

संवाददाता

रांची: झारखंड के रेल यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। दक्षिण पूर्व रेलवे की ओर से 26 अक्टूबर से सांतरागाछी-टाटानगर-जयपुर के बीच नई एक्सप्रेस ट्रेन शुरू की जा रही है। केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस ट्रेन के शुरू होने से खासकर कोल्हान, रांची और पलामू प्रमंडल के यात्रियों को राजस्थान की राजधानी जयपुर तक आने-जाने में सुविधा होगी।

पश्चिम बंगाल के सांतरागाछी से रवाना होने वाली यह ट्रेन झारखंड के बड़े हिस्से को



कवर करेगी। इससे व्यवसायियों, छात्रों और अन्य यात्रियों को लंबी दूरी की रेल यात्रा के लिए एक नया विकल्प मिलेगा।

झारखंड के 11 प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव: नई एक्सप्रेस ट्रेन झारखंड में टाटानगर, चाँडिल, मुरी, रांची, लोहरदगा, टोरी, लातेहार,

खड़गे की टिप्पणी के विरोध में झारखंड जदयू करेगी पुतला दहन, थाने में मुकदमा दर्ज कराने की घोषणा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता पर कथित अमर्यादित टिप्पणी की जदयू ने की निंदा

रांची: जनता दल (यूनाइटेड), झारखंड प्रदेश ने कंग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा एक सार्वजनिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता को लेकर की गई कथित अमर्यादित टिप्पणी की कड़ी निंदा की है। पार्टी ने इस टिप्पणी को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इसका पुरजोर विरोध करने की घोषणा की है।

जदयू झारखंड प्रदेश के



महासचिव संतोष कुमार सोनी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि प्रधानमंत्री के दिवंगत पिता के प्रति इस प्रकार की

अमर्यादित टिप्पणी करना न केवल प्रधानमंत्री पद की गरिमा के प्रतिकूल है, बल्कि भारतीय संस्कृति, संस्कार और सामाजिक मर्यादाओं के भी खिलाफ है।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन किसी के दिवंगत परिजन के प्रति अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करना उचित नहीं है। इस तरह की टिप्पणियों से राजनीतिक शुचिता और

सार्वजनिक जीवन की मर्यादा प्रभावित होती है।

संतोष कुमार सोनी ने घोषणा की कि जनता दल (यूनाइटेड), झारखंड प्रदेश इस मामले के विरोध में आने वाले दिनों में मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और सोनिया गांधी का सामूहिक पुतला दहन करेगी। साथ ही, मल्लिकार्जुन खड़गे के विरुद्ध स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज कराने की भी बात कही।

अध्यक्ष



प्रयास पर दिया जोर: विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, श्रद्धा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। इस पर्व को शांतिपूर्ण, व्यवस्थित और भव्य रूप से संपन्न कराने के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए। छठ जतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए घाटों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने आयोजन की सफलता में प्रशासन, पूजा समितियों और आम नागरिकों की सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया।

अशोक पाडंगी ने स्वच्छता और अनुशासन पर दिया बल: समिति के संरक्षक अशोक पाडंगी ने कहा कि छठ पूजा हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा

और लोक आस्था से जुड़ा महापर्व है। इसे भव्य बनाने के साथ-साथ घाटों की स्वच्छता, अनुशासन और श्रद्धालुओं की सुविधा का भी पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने सभी पूजा समितियों, सामाजिक संगठनों और शहरवासियों से आपसी समन्वय बनाकर पर्व को सफल बनाने में योगदान देने की अपील की।

सन्नी उरांव बोले- छठ पूजा को यादगार बनाने का होगा प्रयास: समिति के अध्यक्ष सन्नी उरांव ने कहा कि छठ पूजा को भव्य और यादगार बनाने के लिए समिति की ओर से समन्वित प्रयास किए जाएंगे। तीन प्रमुख घाटों पर गंगा आरती के आयोजन के साथ घाटों की साफ-सफाई, आकर्षक विद्युत सज्जा और श्रद्धालुओं की सुविधा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित लोगों के सहयोग से छठ महापर्व को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने का प्रयास किया जाएगा।

बैठक के अंत में दुर्गा पूजा के दौरान सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। साथ ही आगामी छठ पूजा को आपसी भाईदारी, सामाजिक सद्भाव और उत्साह के साथ मनाने का संकल्प लिया गया।



सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

शरिया में फांसी

मनुष्य हजारों वर्ष से समाज बनाकर चल रहा है इसीलिए मनुष्य को सामाजिक प्राणी भी कहा जाता है। समाज का निर्माण 100-200 साल पुरानी घटना नहीं है। मनुष्य ने समाज रचा। समाज के सदस्यों ने अपने लिए आचार संहिता बनाई। प्राचीनकाल में स्वयं अपनी गढ़ी आचार संहिता को लेकर उसने समाज का संचालन किया। सामाजिक अनुबंध सिद्धांत के जन्मदाताओं में हॉब्स का नाम बहुत पुराना है। उन्होंने लिखा है कि प्रारंभ में व्यवस्था अराजक थी। उन्होंने इसे प्रकृति की स्थिति माना। अनुमान है-उन्होंने उसी अराजक व्यवस्था से मुक्त होने के लिए एक सामान्य शपथपत्र या एफिडेविट दोहराया होगा। हॉब्स के ग्रंथ लेविथाथन में शपथपत्र में लिखा गया है, हूमें अपने ऊपर शासन करने का अधिकार इस एक मनुष्य या मनुष्यों की इस सभा को देता हूँ और इसे अधिकृत करता हूँ, इस शर्त पर कि तुम भी अपने ऊपर शासन करने का अधिकार इसी मनुष्य या मनुष्यों की इस सभा को अर्पित करो। इसके सभी कार्यों को इसी रूप में स्वीकार करो। समाज के जन्म और विकास का अध्ययन करने वाले अधिकांश विद्वानों ने समाज के जन्म के संदर्भ में लगभग यही विचार व्यक्त किए हैं। उत्तर वैदिक काल में कथा है कि समाज की दशा अराजक हो गई थी। अराजकता से पीड़ित लोग मनु के पास गए। उन्होंने मनु से शासक हो जाने की प्रार्थना की। मनु ने इनकार किया। इस काम में एकत्रित सभी लोगों ने प्रस्तावित शासक/राजा को खेती की उपज का एक भाग देते रहने और आज्ञा मानते रहने का आश्वासन दिया। मनु शासक बनने को तैयार हो गए। समाज में शांति व्यवस्था बनाए रखने का काम नेशन स्टेट का होता है। शासन व्यवस्था के संचालन में सबसे खास बात है दण्ड। दण्ड देने की व्यवस्था के चलते अपराध घटते बढ़ते रहे। देशकाल के अनुसार दण्ड का स्वरूप भिन्न-भिन्न तरह का था। गुप्त शासकों के शासन में उच्च कोटि की प्रशासनिक व्यवस्था थी। उस समय भारतीय दण्ड व्यवस्था के कानून भी सरल और उदार थे। अपराधों की गुणता के आधार पर दण्ड दिया जाता था। प्राण दण्ड नहीं दिया जाता था। चीनी यात्री फाह्यान ने यहां के शासन की प्रशंसा की है। भिन्न-भिन्न राजाओं, तानाशाहों, बादशाहों ने अपने अपने ढंग से दण्ड व्यवस्था को लागू करने का उपक्रम किया है। दण्ड कई प्रकार के होते हैं लेकिन प्राणदण्ड हमेशा ही बहस का मुद्दा रहा है। प्राण प्रकृति का उपहार हैं। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए शासक अर्थदण्ड, कारागार जैसे दण्ड देते रहे हैं। भारत के राष्ट्रजीवन में प्राणदण्ड को अच्छा नहीं माना जाता। प्राणदण्ड वैसे भी बहस का विषय है। एक पक्ष चाहता है कि प्राणदण्ड न दिया जाए। दूसरा पक्ष आतंकवादी घटनाओं जैसे अपराधों में प्राणदण्ड देने को पक्षधर है। लेकिन मनुष्य का जीवन प्रकृति का असाधारण उपहार है। दुनिया के 112 देश अपने यहां प्राणदण्ड की व्यवस्था खत्म कर चुके हैं। जान पड़ता है कि इसी के समानांतर सऊदी अरब, कुवैत, कतर आदि देशों में प्राणदण्ड की घटनाएं बढ़ रही हैं। भारत की स्थिति अलग है। यहाँ संविधान (अनुच्छेद 21) में साफ-साफ कहा गया है कि किसी भी व्यक्ति को विधिक कार्यवाही के बिना प्राण और दैहिक स्वतंत्रता से वंचित नहीं किया जाएगा। जहां भारत में दण्डात्मक कार्यवाही के प्रयोग में अतिरिक्त सतर्कता बरती जाती है, वहीं पिछले सप्ताह सऊदी अरब में दो बांग्लादेशी नागरिकों को बिना किसी गहन न्यायायिक विचारण के ही मृत्युदण्ड दे दिया गया। इसे फांसी या मृत्युदण्ड कहना समझ में नहीं आता। यह सीधे राज्य प्रायेजित हत्या है। फांसी दी गई। उनके घर वालों को भी सूचित नहीं किया गया। किसी भी स्तर पर उसका अपराध नहीं बताया गया। दोनों बांग्लादेशी थे और रोजगार के सिलसिले में सऊदी अरब गए थे। नजरूल इस्लाम और स्वीटी अख्तर को मक्का की एक मस्जिद में हगर्भीर अनैतिक कृत्यह्य का दोषी बताया था। यह सजा इस्लामी शरिया कानून के तहत न्यायधीश के विवेकाधिकार (ताजीर) से दी गई। इस घटना की पहले से कोई सूचना न मिलने के कारण बांग्लादेश सरकार ने सऊदी अरब से आधिकारिक स्पष्टीकरण मांगा है। अपराध की गुरुता के अनुसार ही दण्ड दिये जाते हैं लेकिन सऊदी अरब, बहरीन, कतर आदि में अपराध की गुरुता पर सम्यक विचार नहीं होता। ऐसे देशों में इस्लामिक कानून-शरिया के अनुसार किसी भी व्यक्ति का जीवन छीन लिया जाता है। हमारे पड़ोसी पाकिस्तान में ईश निन्दा कानून है। इस्लामिक शरीया में अल्लहाह और उसके पैगम्बर व कुरान की कथित निन्दा पर प्राणदण्ड का प्राविधान है। पाकिस्तान में कोई भी व्यक्ति किसी भी व्यक्ति पर ईश निन्दा का आरोप लगाता है। न्यायायिक विचारण होता है और उसे मृत्युदण्ड दे दिया जाता है। बांग्लादेशी नागरिकों के प्राणदण्ड घोषित करने और उसे क्रियान्वित करने में अनावश्यक रूप से जल्दबाजी की गई है। अंधविश्वास को ही राजधर्म मानना और इसी आधार पर अपने ही नागरिकों को मारते जाना मानवता के प्रति अपराध है। विश्व स्तब्ध है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं ऐसे प्राणदण्ड व्यवस्था को लेकर असहाय दिखाई पड़ती हैं। यह विषय गंभीर है। इस पर संयुक्त राष्ट्र सहित सभी मंचों पर विमर्श करना चाहिए। जीवन का अधिकार मौलिक है। यह मनुष्य प्रदत्त नहीं है। इस पर बहस की गुंजाइश है। सवाल उठते हैं कि व्यक्ति के मौलिक अधिकारों की तरह राष्ट्र राज्य के भी अधिकार क्यों नहीं हो सकते। कोई व्यक्ति अपने मौलिक अधिकार की आड़ में राष्ट्र राज्य के अस्तित्व के लिए ही खतरा बन सकता है। तब राष्ट्र राज्य भी व्यक्ति की तरह अपनी आत्मरक्षा के लिए यथावश्यक कार्रवाई करेगा। सभी राष्ट्रों को ऐसे खतरनाक मौकों पर कार्रवाई करने के लिए स्थापित कठोर विधि की व्यवस्था करनी चाहिए। ऐसी विधि पारदर्शी हो।

न्यू स्टार्ट के बाद परमाणु हथियारों की नई होड़, दुनिया पर बढ़ता परमाणु खतरा

न्यू स्टार्ट के समाप्त होने से अमेरिका और रूस के पास अपने रणनीतिक परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाने की अधिक गुंजाइश बन गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इसका सबसे बड़ा खतरा केवल हथियारों की संख्या बढ़ने से नहीं बल्कि पारदर्शिता और भरोसे के कमजोर होने से है। संधि के तहत दोनों देशों के बीच डेटा साझा किया जाता था, निरीक्षण होते थे और परमाणु गतिविधियों पर बातचीत के लिए संस्थागत तंत्र मौजूद था।

हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए जाने के 81 साल बाद दुनिया एक बार फिर परमाणु खतरे के दौर में प्रवेश करती दिखाई दे रही है। परमाणु हथियारों पर नियंत्रण के लिए बनाए गए कई महत्वपूर्ण समझौते या तो समाप्त हो चुके हैं या कमजोर पड़ गए हैं। इसी बीच अमेरिका, रूस और चीन समेत प्रमुख परमाणु शक्तियां अपने परमाणु शस्त्रागार के आधुनिकीकरण और विस्तार में जुटी हैं। इससे परमाणु हथियारों की नई होड़ और गलतफहमी के कारण परमाणु संघर्ष

अमरेश द्विवेदी

का जोखिम बढ़ने की चिंता सामने आ रही है। जनवरी में हाबुलेटिन ऑफ द एटॉमिक साइंटिस्ट्सह ने अपनी हाइड्रस्टेट क्लॉकहू को आधी रात से 85 सेकंड पहले पर रखा था। यह 1947 में घड़ी बनाए जाने के बाद से मानवता के संभावित विनाश के सबसे करीब का संकेत था। यह घड़ी किसी वास्तविक समय की गणना नहीं बल्कि परमाणु हथियारों, जलवायु परिवर्तन और अन्य वैश्विक जोखिमों के आधार पर वैज्ञानिकों की चेतावनी का प्रतीक है। इसका संदेश साफ था कि दुनिया को परमाणु खतरे को सामान्य मानने से बचना होगा। इस चिंता को और बढ़ाने वाली सबसे बड़ी घटनाओं में से एक अमेरिका और रूस के बीच हान्यू स्ट्रेटेंजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी (न्यू स्टार्ट) 5 फरवरी, 2026 को समाप्त हो गई है। यह अमेरिका और रूस के रणनीतिक परमाणु हथियारों पर सीमा लगाने वाला आखिरी प्रमुख द्विपक्षीय समझौता था। इसके तहत दोनों देशों के लिए तैनात रणनीतिक परमाणु हथियारों और उनके डिलीवरी सिस्टम पर सीमाएं तय थीं। संधि ने दोनों देशों को एक-दूसरे की

परमाणु क्षमताओं के बारे में जानकारी हासिल करने और सत्यापन की व्यवस्था भी दी थी। न्यू स्टार्ट के समाप्त होने से अमेरिका और रूस के पास अपने रणनीतिक परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाने की अधिक गुंजाइश बन गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इसका सबसे बड़ा खतरा केवल हथियारों की संख्या बढ़ने से नहीं बल्कि पारदर्शिता और भरोसे के कमजोर होने से है। संधि के तहत दोनों देशों के बीच डेटा साझा किया जाता था, निरीक्षण होते थे और परमाणु गतिविधियों पर बातचीत के लिए संस्थागत तंत्र मौजूद था। इन व्यवस्थाओं ने गलत अनुमान और अचानक सैन्य प्रतिक्रिया के जोखिम को कम करने में भूमिका निभाई। हालांकि, कोविड-19 महामारी के दौरान ऑन-साइट निरीक्षण बाधित हुए और बाद में रूस ने निरीक्षणों को रोक दिया। इसके बावजूद संधि के कई प्रावधान दोनों देशों को एक-दूसरे की रणनीतिक क्षमताओं का अनुमान लगाने में मदद करते रहे। अब इसके समाप्त होने के बाद खुफिया एजेंसियों को परमाणु गतिविधियों की निगरानी में अधिक अनिश्चितता का सामना करना पड़ सकता है। यदि किसी शुरुआती चेतावनी प्रणाली में तकनीकी समस्या या संदिग्ध गतिविधि दिखाई देती है तो गलत तरीके से यह माना जा सकता है कि कोई हमला शुरू हो रहा है।

दूसरी ओर, अमेरिका और रूस दोनों अपने परमाणु शस्त्रागार को आधुनिक बनाने की योजनाओं पर आगे बढ़ रहे हैं। अमेरिका अपनी परमाणु त्रयी-पनडुब्बियों, अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों और रणनीतिक बमवर्षक विमानों के आधुनिकीकरण पर भी निवेश कर रहा है। रूस भी अपने रणनीतिक हथियारों और नई पीढ़ी की डिलीवरी प्रणालियों को विकसित कर रहा है। यदि एक देश अपनी परमाणु क्षमता बढ़ाता है तो दूसरा देश भी जवाब में ऐसा करने की कोशिश कर सकता है। यही कार्रवाई और

प्रतिक्रिया का चक्र हथियारों की नई दौड़ को जन्म दे सकता है।

इस बदलते परमाणु समीकरण में चीन की भूमिका भी तेजी से महत्वपूर्ण हो रही है। पिछले वर्षों में चीन ने अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार तेज किया है। अमेरिकी आकलनों के अनुसार, चीन के परमाणु हथियारों की संख्या आने वाले वर्षों में काफी बढ़ सकती है। चीन के बढ़ते सैन्य और परमाणु सामर्थ्य ने अमेरिका की रणनीतिक योजना को भी प्रभावित किया है। इससे परमाणु हथियारों की पारंपरिक अमेरिका-रूस प्रतिस्पर्धा अब तीन प्रमुख शक्तियों के बीच जटिल रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में बदल रही है।

यूरोप में भी रूस के साथ बढ़ते तनाव के बीच परमाणु सुरक्षा को लेकर चर्चा तेज हुई है। फ्रांस ने अपने परमाणु प्रतिरोधक ढांचे को यूरोपीय सहयोगियों की सुरक्षा से जोड़ने की संभावना पर जोर दिया है। फिनलैंड ने अपने कानूनों में बदलाव कर विदेशी परमाणु हथियारों की संभावित तैनाती का रास्ता खोला है, जबकि लिथुआनिया में सामूहिक विनाश के हथियारों से जुड़े कानूनी प्रावधानों में बदलाव की पहल हुई है। ये कदम यूरोप में बदलते सुरक्षा माहौल को दर्शाते हैं।

परमाणु अप्रसार की वैश्विक व्यवस्था पर भी दबाव बढ़ रहा है। परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) का उद्देश्य परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकना और निरस्त्रीकरण की दिशा में आगे बढ़ना है। लेकिन परमाणु शक्तियों के बीच हथियार नियंत्रण वार्ता में रुकावट और नए हथियारों के आधुनिकीकरण ने इस व्यवस्था की प्रभावशीलता को लेकर सवाल खड़े किए हैं। परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध की संधि भी अस्तित्व में है, लेकिन परमाणु शक्तियां और उनके अधिकांश प्रमुख सहयोगी इसके पक्षकार नहीं हैं।

इरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर विवाद ने भी वैश्विक अप्रसार व्यवस्था को चुनौती दी है।

स्ट्रीट फूड के लिए नए सिरे से नियमन की जरूरत

स्ट्रीट फूड कारोबार को बंद करना इसका समाधान नहीं है। जरूरत इस बात की है कि इसके लिए स्पष्ट और व्यावहारिक नियमावली बनाई जाए। प्रत्येक दुकान या टेले का पंजीकरण हो, खाद्य सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण दिया जाए, स्वच्छता के मानक तय हों और समय-समय पर खाद्य सामग्री के नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच कराई जाए।

दे शभर में स्ट्रीट फूड का चलन तेजी से बढ़ रहा है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों और कस्बों तक सड़क किनारे टेले, रेहड़ी और छोटी दुकानों पर मिलने वाला भोजन आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। कम कीमत, आसानी से उपलब्धता और स्थानीय स्वाद इसकी लोकप्रियता का बड़ा कारण है। लेकिन इसके साथ भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा का सवाल भी उठना ही महत्वपूर्ण है। स्ट्रीट फूड बेचने वाले लाखों छोटे कारोबारी अपनी आजीविका इसी व्यवसाय से चलाते हैं। इसलिए नियमन का उद्देश्य उन्हें परेशान करना या उनकी रोजी-रोटी छीनना नहीं होना चाहिए। जरूरत ऐसे व्यावहारिक नियमों की है, जिनसे कारोबार भी

योगेश कुमार सोनी

चलता रहे और लोगों को सुरक्षित एवं स्वच्छ भोजन भी मिल सके।

सरकारों को स्ट्रीट फूड के लिए एक व्यापक और आधुनिक नियामक व्यवस्था पर विचार करना चाहिए। इसमें साफ पानी की उपलब्धता, खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण, खाना बनाने और परोसने की स्वच्छता, कचरा निस्तारण, हाथ धोने की व्यवस्था तथा इस्तेमाल होने वाले बर्तनों की सफाई जैसे मानकों को अनिवार्य किया जा सकता है। साथ ही खाद्य विक्रेताओं के लिए आसान पंजीकरण और नियमित प्रशिक्षण की व्यवस्था भी होनी चाहिए।

देशभर में स्ट्रीट फूड का कारोबार तेजी से बढ़

रहा है। सड़क किनारे मिलने वाला खाना आम लोगों के लिए सरता और आसानी से उपलब्ध विकल्प है लेकिन इसके साथ खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता का सवाल भी लगातार गंभीर होता जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इन दुकानों पर बिकने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उनमें इस्तेमाल होने वाली सामग्री कई स्थानों पर यह आरोप सामने आते रहे हैं कि सड़क किनारे दुकान लगाने की अनुमति या पुलिस की निगरानी के नाम पर अवैध वसूली होती है। यदि कहीं ऐसा हो रहा है तो इसकी निष्पक्ष जांच और जिम्मेदारी तय होना जरूरी है। किसी भी सरकारी व्यवस्था में भ्रष्टाचार के कारण खाद्य सुरक्षा से समझौता नहीं होना चाहिए।

स्ट्रीट फूड में इस्तेमाल होने वाले तेल, मसाले, दूध, पनीर, मांस, पानी और अन्य खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच बेहद जरूरी है। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि खाद्य सामग्री किस सोते से खरीदी जा रही है, उसे किस तरह रखा जा रहा है और खाना तैयार करने वाले व्यक्ति स्वच्छता के निर्धारित मानकों का पालन कर रहे हैं या नहीं। कई बार खराब या दूषित खाद्य पदार्थ खाने से लोगों के बीमार पड़ने की खबरें सामने आती हैं। गंभीर मामलों में खाद्य विषाक्तता जानलेवा भी हो सकती है। ऐसे मामलों में केवल दुकान संचालक को दोषी ठहराने के बजाय यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि संबंधित इलाके में निगरानी और निरीक्षण की जिम्मेदारी किस विभाग की थी और क्या नियमित जांच वास्तव में की गई थी। स्ट्रीट फूड कारोबार को बंद करना इसका समाधान नहीं है। जरूरत इस बात की है कि इसके लिए स्पष्ट और व्यावहारिक

नियमावली बनाई जाए। प्रत्येक दुकान या टेले का पंजीकरण हो, खाद्य सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण दिया जाए, स्वच्छता के मानक तय हों और समय-समय पर खाद्य सामग्री के नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच कराई जाए। इसके साथ ही स्थानीय निकाय, खाद्य सुरक्षा विभाग और पुलिस की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्धारित की जानी चाहिए। पुलिस का काम कानून-व्यवस्था बनाए रखना है, जबकि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की वैज्ञानिक जांच के लिए सक्षम खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की व्यवस्था होनी चाहिए। जहां अवैध वसूली या भ्रष्टाचार की शिकायत हो, वहां स्वतंत्र जांच और कार्रवाई की व्यवस्था भी होनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी व्यक्ति की जान जाने के बाद कार्रवाई करने के बजाय खाद्य सुरक्षा की नियमित निगरानी पहले से सुनिश्चित की जाए। स्ट्रीट फूड लाखों लोगों की रोजमर्रा की जरूरत और रोजगार का माध्यम है, इसलिए इसे व्यवस्थित, सुरक्षित और जवाबदेह बनाना सरकार और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। सवाल केवल यह नहीं है कि सड़क किनारे खाना कौन बेच रहा है। असली सवाल यह है कि जो खाना लाखों लोग खा रहे हैं, उसकी गुणवत्ता की जिम्मेदारी आखिर किसकी है?

आज सबसे बड़ी समस्या यह है कि अलग-अलग शहरों में स्ट्रीट फूड कारोबार के लिए नियम, निगरानी और उनके पालन की व्यवस्था एक जैसी नहीं है। स्थानीय निकायों, खाद्य सुरक्षा विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत है। छोटे विक्रेताओं को केवल दंडित करने

के बजाय पहले उन्हें प्रशिक्षण, बुनियादी सुविधाएं और स्पष्ट दिशानिर्देश उपलब्ध कराए जाने चाहिए। स्ट्रीट फूड को शहरों की अर्थव्यवस्था और संस्कृति का हिस्सा मानते हुए इसके लिए निर्धारित वर्डिंग जोन विकसित किए जा सकते हैं। इन स्थानों पर स्वच्छ पानी, कूड़ेदान, जल निकासी और साफ-सफाई जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इससे विक्रेताओं और ग्राहकों दोनों को लाभ होगा तथा सड़कों पर अव्यवस्था भी कम हो सकती है। सरकारों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि खाद्य सुरक्षा के नाम पर बनाए गए नियम इतने जटिल न हों कि छोटे दुकांदार उनके पालन में ही असमर्थ हो जाएं। डिजिटल पंजीकरण, सरल लाइसेंस प्रक्रिया और कम लागत वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम इस दिशा में मददगार हो सकते हैं।

स्ट्रीट फूड पर पूरी तरह रोक लगाना समाधान नहीं है। इसके बजाय इसे व्यवस्थित, सुरक्षित और स्वच्छ बनाना ज्यादा व्यावहारिक रास्ता है। बदलते समय के साथ स्ट्रीट फूड संस्कृति भी बदल रही है इसलिए इसके नियमन के लिए पुराने और बिखरे हुए प्रावधानों के बजाय एक स्पष्ट, व्यावहारिक और जवाबदेह व्यवस्था पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है। आखिरकार सवाल सिर्फ सड़क किनारे बिकने वाले भोजन का नहीं बल्कि करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य और लाखों छोटे कारोबारियों की आजीविका का है। इसलिए स्ट्रीट फूड के लिए ऐसा नियमन जरूरी है जिसमें स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा, उपभोक्ता अधिकार और विक्रेताओं की आजीविका चारों के बीच संतुलन कायम किया जा सके।

स्त्री की स्वतंत्रता पर बढ़ता बाजार और बदल रही सौंदर्य दृष्टि

दि ज की स्त्री स्वयं को पुरुषवादी व्यवस्था की बड़ियों से मुक्त करने के लिए संघर्षरत है। वह अपने अधिकार, स्वतंत्र निर्णय और समानताओं के लिए आवाज उठा रही है। यह संघर्ष निःस्संदेह समय की आवश्यकता है क्योंकि सदियों से चली आ रही सामाजिक रूढ़ियों ने स्त्री की स्वतंत्रता को सीमित करने का प्रयास किया है लेकिन इस संघर्ष के बीच एक गंभीर प्रश्न भी खड़ा होता है कि क्या स्वतंत्रता की तलाश में स्त्री अनजाने उसी बाजारवादी व्यवस्था के हाथों का खिलौना बनती जा रही है, जिसका वह विरोध करना चाहती है? क्या आधुनिकता के नाम पर उसकी पसंद, पहनावा और सौंदर्यबोध को बाजार की शक्तियां नियंत्रित कर रही हैं? यह प्रश्न स्त्री की स्वतंत्रता का विरोध नहीं बल्कि स्वतंत्रता के वास्तविक स्वरूप को समझने का प्रयास है।

वर्तमान समय में पहनावों को लेकर समाज में तेजी से बदलाव आया है। वस्त्रों की शैली, उनकी बनावट और शरीर को प्रदर्शित करने के तौर-तरीकों में व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहा है। इस परिवर्तन को आधुनिकता, व्यक्तिगत पसंद और आत्मविश्वास से जोड़कर देखा जा रहा है लेकिन इसके साथ यह समझना भी जरूरी है कि किसी व्यक्ति की पसंद कितनी स्वतंत्र है और कितनी विज्ञापन, फिल्म, फैशन उद्योग तथा सोशल मीडिया द्वारा निर्मित की गई है। बाजार केवल वस्तुएं नहीं बेच रहा, वह इच्छाएं भी पैदा कर रहा है। वह सुंदरता की परिभाषा गढ़ रहा है, आकर्षण के मानक निर्धारण भी कर रहा है और फिर उन्हीं मानकों के अनुरूप बनने के लिए उपभोक्ताओं को प्रेरित कर रहा है। इस प्रक्रिया में स्त्री का शरीर एक बड़े व्यावसायिक तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। सौंदर्य प्रसाधनों से लेकर परिधान, फिल्म, विज्ञापन और मनोरंजन उद्योग तक, स्त्री की छवि का इस्तेमाल उत्पादों को आकर्षक बनाने के लिए किया जा रहा है। विडंबना यह है कि स्त्री को अपनी पसंद का अधिकार देने का दावा करने वाला बाजार कई बार उसकी पसंद को भी अपने लाभ के अनुसार दिशा दे रहा है, ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि स्त्री जो पहन रही है, वह उसकी स्वतंत्र अभिव्यक्ति है या उस अभिव्यक्ति पर बाजार के प्रभाव का परिणाम? पुरुषवादी व्यवस्था हमेशा स्त्री पर प्रत्यक्ष प्रतिबंध लगाकर ही काम नहीं करती। कई बार वह आकर्षण, प्रशंसा और सामाजिक स्वीकृति के माध्यम से भी अपने मानदंड स्थापित करती है। पहले स्त्री से अपेक्षा की जाती थी कि वह समाज की निर्धारित मर्यादाओं के अनुरूप रहे। आज कुछ क्षेत्रों में उसके सामने एक दूसरी अपेक्षा खड़ी कर दी गई है- वह आधुनिक दिखे, आकर्षक लगे, अपनी

देह को प्रदर्शित करने से संकोच नहीं करे और प्रचलित सौंदर्य मानकों पर खरी उतरे, यहां विरोधाभास दिखाई देता है। जिस स्त्री को पहले उसके शरीर को ढंकने के लिए सामाजिक दबाव का सामना करना पड़ता था, वही स्त्री आज कुछ परिस्थितियों में शरीर को अधिक प्रदर्शित करने के लिए सामाजिक और व्यावसायिक दबाव झेल रही है। दोनों स्थितियों में समस्या वस्त्रों की लंबाई या बनावट मात्र नहीं बल्कि स्त्री के निर्णय पर व्यवस्था का परिणाम? पुरुषवादी है। वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या स्त्री को अपनी पसंद चुनने की स्वतंत्रता है या उसे किसी खास तरह से दिखने के लिए विवश किया जा रहा है? एक समय सुंदरता का मूल्यांकन चेहरे की सहजता, च्यक्तित्व, व्यवहार, संवेदनशीलता और विचारों की परिपक्वता से किया जाता था। आज भी ये गुण महत्वपूर्ण हैं लेकिन

लोकप्रिय संस्कृति के कुछ हिस्सों में शारीरिक आकर्षण को असाधारण महत्व मिलने लगा है। आकर्षक दिखने की प्रतिस्पर्धा, सोशल मीडिया पर प्रशंसा पाने की आकांक्षा और लोकप्रियता की दौड़ ने इस प्रवृत्ति को और बल दिया है। फैशन उद्योग और मनोरंजन जगत में स्त्री की देह को आकर्षण का माध्यम बनाना कोई नई बात नहीं है। अंतर यह है कि अब डिजिटल मंचों के कारण यह प्रक्रिया अधिक व्यापक और निरंतर हो गई है। वस्त्र किसी व्यक्ति की संपूर्ण संस्कृति, नैतिकता या चरित्र का प्रमाण नहीं होते। शालीनता का निर्धारण केवल कपड़ों की लंबाई से नहीं किया जा सकता, न ही आधुनिक परिधान किसी के संस्कारहीन होने का प्रमाण हैं। इसी प्रकार पारंपरिक वेशभूषा पहनने वाला प्रत्येक व्यक्ति नैतिक रूप से श्रेष्ठ हो, यह भी आवश्यक नहीं है।

-डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

मेट्रो रेज की ओर से स्वाताधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, संपादक : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एवट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवारों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** **www.metrorays.in** **email :** **metrorays.ranchi@gmail.com**

घाटों की सफाई से सुरक्षा तक, रसिकपुर छठ पूजा समिति ने संभाली तैयारी की कमान

संवाददाता

दुमका: लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर दुमका के रसिकपुर स्थित बड़ा बांध तालाब में तैयारियां शुरू हो गयी हैं। अजय सिंह की अगुवाई में छठ पूजा समिति की बैठक हुई। इसमें नई कमेटी का गठन किया गया और पर्व की तैयारियों को लेकर कई अहम निर्णय लिये गये। अजय कुमार को समिति का अध्यक्ष और मनोज सिंह को सचिव चुना गया।

घाटों पर सफाई, रोशनी और सुरक्षा की तैयारी: बैठक में छठ ऋतियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए बड़ा बांध तालाब के घाटों की साफ-सफाई, पहुंच मार्ग को व्यवस्थित करने और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने पर चर्चा



हुई। घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और ऋतियों की जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने

पर भी जोर दिया गया।

समिति के सदस्यों ने कहा कि छठ महापर्व में स्वच्छता और

पवित्रता का विशेष महत्व है। इसे

देखते हुए घाटों की सफाई समेत अन्य तैयारियां समय पर पूरी करने

का प्रयास किया जायेगा।

नई कमेटी में इन्हें मिली जिम्मेदारी: समिति के उपाध्यक्ष के

रूप में सटी वर्मा और विष्णु यादव को जिम्मेदारी दी गयी है। रमन मिश्र को उप सचिव, गोविंद साह को कोषाध्यक्ष और गौतम कापरी को सफाई मंत्री बनाया गया है। वहीं, साज-सज्जा प्रभारी की जिम्मेदारी साधन गोरई को सौंपी गयी है।

निगरानी कमेटी में पांच सदस्य शामिल: निगरानी कमेटी में अमरनाथ मिश्रा, ललन मिश्रा, शिवनाथ धीवर, गोवर्धन मंडल और विक्रम शर्मा को शामिल किया गया है।

बैठक में संजय मंडल, गोवर्धन मंडल, ललन मिश्रा, विक्रम शर्मा, सुनील शर्मा, सुनील राणा, रमन मिश्र और भोला सिंह समेत समिति के कई सदस्य मौजूद थे।

परमा में बाइक की टक्कर से 10 वर्षीय बच्चे की मौत, रांची में इलाज के दौरान तोड़ा दम

हंसडीहा: हंसडीहा-रामगढ़ मुख्य मार्ग पर परमा गांव के समीप बाइक की टक्कर से गंभीर रूप से घायल 10 वर्षीय बच्चे की रांची में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान परमा गांव निवासी शंकर राउत के पुत्र दिर्संबर राउत के रूप में हुई है। बच्चे की मौत से परिजनों में मातम पसरा है और उनका रो-रोकर बुरा हाल है। **रामगढ़ की ओर से आ रही बाइक ने मारी टक्कर:** मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार को दिर्संबर राउत अपने घर के दरवाजे पर खेल रहा था। इसी दौरान रामगढ़ की ओर से आ रही बाइक (जेएच 17 एजे 3595) ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस उसे इलाज के लिए सरेयाहाट ले गई, जहां प्राथमिक

उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे देवघर रेफर कर दिया।

देवघर से रांची किया गया रेफर: देवघर में बच्चे की नाजुक हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उसे रांची रेफर कर दिया। रांची में इलाज के दौरान बच्चे ने दम तोड़ दिया। इसके बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। बाइक चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज: मृतक के परिजनों के आवेदन पर पुलिस ने कांड संख्या 112/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। प्राथमिकी में बोसी थाना क्षेत्र के राजदह गांव निवासी बाइक चालक सतीश कुमार को आरोपी बनाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

बंगाली समुदाय के लोगों ने धूमधाम से की मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना



संवाददाता

साहिबगंज : बंगाली समुदाय के लोगों ने श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मां लक्ष्मी की पूजा अर्चना की। जहां इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने विधि विधान के साथ मां लक्ष्मी की पूजा कर परिवार की सुख समृद्धि, खुशहाली और शांति की कामना की। उधर पूजा को लेकर समुदाय के लोगों ने खासा उत्साह देखने को मिला। वही पूजा के दौरान घरों में आकर्षक सजावट की गई और परंपरिक रीति रिवाजों के अनुसार मां लक्ष्मी

की आराधना की गई। जहां श्रद्धालुओं ने मां को फूल, फूल, मिठाई सहित विभिन्न पूजन सामग्री अर्पित कर आशीर्वाद मांगा। वहीं धार्मिक वातावरण और भक्ति गीतों से माहौल भक्तिमय बना रहा।

जहां बंगाली समुदाय में मां लक्ष्मी की पूजा का विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। मान्यता है कि मां लक्ष्मी की आराधना से घर में सुख, शांति और समृद्धि आती है। पूजा के माध्यम से लोगों ने अपनी परंपरा और संस्कृति के प्रति आस्था भी प्रकट की।

शरद पूर्णिमा पर मुक्तेश्वर धाम में हुई मां गंगा की भव्य आरती

मां गंगा की आराधना से मिलती है मन को शांति और सकारात्मक ऊर्जा: प्रमोद पांडेय



संवाददाता

साहिबगंज : शरद पूर्णिमा के अवसर पर रविवार को साहिबगंज स्थित मुक्तेश्वर धाम, सोढ़ी घाट के गंगा तट पर मां गंगा सेवा समिति की ओर से भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया।संध्या पांच बजे आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने मां गंगा की आराधना कर सुख,शांति और समृद्धि की कामना की।कार्यक्रम में पीडित धनेश तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां गंगा का विधिवत पूजन कराया।इसके बाद श्रद्धा और भक्ति के माहौल में भव्य आरती की गई। इस दौरान पूरा गंगा तट हर-हर गंगे ,जय मां गंगे और हर-हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।आरती के पश्चात श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।इस अवसर पर

मां गंगा सेवा समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार पाण्डेय ने कहा कि मां गंगा भारतीय संस्कृति,आस्था और आध्यात्मिक चेतना की प्रतीक हैं। गंगा आरती के माध्यम से लोगों में धार्मिक आस्था के साथ-साथ गंगा नदी के प्रति सम्मान और स्वच्छता का संदेश भी दिया जाता है।उन्होंने कहा कि समिति की ओर से प्रत्येक माह पूर्णिमा के अवसर पर गंगा आरती का आयोजन किया जाता है,ताकि धार्मिक परंपराओं को जीवंत रखने के साथ लोगों में सेवा और सामाजिक सद्भाव की भावना को मजबूत किया जा सके। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार पाण्डेय के अलावा शशि कुमार सुमन, जगन्मय मिश्रा, अमित केसरी, राजनाथ साह,राज कुमार राम, अम्भाष ओझा,संदीप अवस्थी, सिद्धार्थ कुमार,रंजित कुमार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

कवि आश्रम में सत्संग और भंडारे का आयोजन, कई राज्यों से पहुंचे संत-महात्मा

संवाददाता

साहिबगंज:आश्विन मास की शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर महात्मा गांधी चौक के समीप स्थित कवि आश्रम में सत्संग और भंडारे का आयोजन किया गया।इसमें विभिन्न राज्यों से आए साधु-संत,महात्मा, बैरागी और साध्वियों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।कार्यक्रम का आयोजन व्यवस्थापक महंत शंकर दास एवं समस्त संत परिवार की ओर से किया गया।सत्संग के मुख्य वक्ता कटिहार जिले के महंत विद्यासागर ने अपने प्रवचन से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।उन्होंने कहा कि संतों ने कहा है, बिनु सत्संग विवेक न होई। अर्थात सत्संग के बिना मनुष्य में विवेक जागृत नहीं होता और जब तक विवेक जागृत नहीं होता,तब तक जीवन में सच्चे सुख की अनुभूति नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि सत्संग का महत्व



ज्ञान,दान और तीर्थ से भी बढ़कर माना गया है।सत्संग मनुष्य को सन्मार्ग की ओर ले जाता है और जीवन की समस्याओं का सामना करने की शक्ति प्रदान करता है। महंत विद्यासागर ने कहा कि जीवन में कितनी भी कठिनाइयां और चिंताएं क्यों न हों,व्यक्ति को संत-महात्माओं के सत्संग में बैठकर जीवन के सत्य को समझने का प्रयास करना चाहिए।इससे मन को शांति मिलती है और समस्याओं के समाधान का मार्ग दिखाई देता है। उन्होंने गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए कहा

कि गुरु मुक्ति का मार्ग दिखाते हैं और ज्ञान के भंडार होते हैं। गुरु के मार्गदर्शन से मनुष्य आवागमन के बंधन से मुक्ति पाने की दिशा में आगे बढ़ता है।

इस संसार में गुरु का स्थान सर्वोपरि है।कार्यक्रम में महंत गोपाल साहब,महंत अरुण साहब,गोड्डा जिले के संत तूफानी साहब,संत वेदांत साहब,संत आरती साध्वी,संत संजय दास,संत कृष्ण साहब और बैरागी महात्मा सुबोध साहब सहित कई संत-महात्मा उपस्थित रहे।वक्ताओं ने श्रद्धालुओं को जीवन की

कठिनाइयों से घबराने के बजाय धैर्य और शीतलता बनाए रखने तथा कर्म करते रहने का संदेश दिया।उन्होंने कहा कि निरंतर प्रयास और सकारात्मक सोच से समस्याओं के समाधान का रास्ता निकलता है। सत्संग के उपरांत भंडारे में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न राज्यों से पहुंचे संत-महात्माओं,साधु-साध्वियों को यथाशक्ति दक्षिणा देकर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।पूरे महात्मा उपस्थित रहे।वक्ताओं ने आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।

न्यूज़ **IN** वीडियो

41वां नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप

एमानुएल किस्कू ने 80 मीटर हर्डल्स में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए जीता स्वर्ण पदक

साहिबगंज : 23 से 27 अक्टूबर तक चेन्नई तमिलनाडु के



जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रहे 41वां नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में खेल विभाग झारखंड सरकार नया स्थानीय सिद्धो कान्हो स्टेडियम में संचालित आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र साहिबगंज के प्रशिक्षु राजस्थान इंटर विद्यालय के छात्र एमानुएल किस्कू ने वर्ल्ड एथलेटिक्स लेवल 2 कोच योगेश यादव के प्रशिक्षण नेतृत्व में 11अक्टूबर,

2025 को भुनेश्वर में संपन्न 40वां नेशनल जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में बिहार के रोहित राज द्वारा 80 मीटर हर्डल्स के बनाए गए नेशनल रिकॉर्ड 10.28 सेकेंड के समय को 80 मीटर हर्डल्स के हिट में ही भंग करते हुए 10.17 सेकेंड का समय के साथ नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया पुन: सेमीफाइनल में 10.22 सेकेंड के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया व फाइनल में अपने ही रिकॉर्ड को बेहतर करते हुए 10.10 सेकेंड के साथ नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए 41वां नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में झारखंड राज्य के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता।जबकि केरल के गौरीश विनय ने 10.11 सेकेंड के साथ रजत एवं बिहार के रंजित राज ने 10.26 सेकेंड के साथ कांस्य पदक जीता।जिले के उपायुक्त दीपक कुमार दुबे, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह,उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा,परियोजना निदेशक संजय कुमार दास, जिला खेल पदाधिकारी नयन कुमार समेत जिले वासियों ने नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतने के लिए एमानुएल किस्कू एवं उनके कोच योगेश यादव को बधाई दी।

मंदिरों से घंटी चोरी का खुलासा,दो आरोपी गिरफ्तार



साहिबगंज: राजमहल थाना क्षेत्र के खुटहरी स्थित बजरंगबली एवं शिव मंदिर से घंटी चोरी के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बालुप्लाट निवासी करण शर्मा 19 और लक्खीपुर निवासी साहेब शेख 32 के रूप में हुई है। पुलिस ने साहेब शेख की कबाड़ी दुकान से चोरी की एक पीतल की घंटी भी बरामद की है,जिसका वजन करीब 2.5 किलोग्राम है। जिसकी जानकारी राजमहल पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिया। उन्होंने बताया कि 22 अक्टूबर 2026 को खुटहरी के मंदिरों से घंटी चोरी होने के मामले में भुवनेश्वर मंडल के आवेदन पर 24 अक्टूबर को राजमहल थाना कांड संख्या 374,2026 के तहत बीएनएस की धारा 303 दो में 305 दो में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।मामले के उद्देग और चोरी गई घंटी की बरामदगी के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी,राजमहल के नेतृत्व में छापेमारी दल गठित किया गया।अनुसंधान के दौरान मानवीय एवं तकनीकी सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने 25 अक्टूबर को करण शर्मा को पकड़ा।पुलिस के अनुसार,पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर लक्खीपुर स्थित साहेब शेख की कबाड़ी दुकान से चोरी की घंटी बरामद की गई।इसके बाद पुलिस ने साहेब शेख को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक,पूछताछ के दौरान करण शर्मा ने तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के बघनगांवा चौक स्थित शिव मंदिर,रैलवे स्टेशन के हनुमान मंदिर, दरला गांव के हनुमान मंदिर,बोरियो बाजार के हनुमान मंदिर तथा राजमहल थाना क्षेत्र के कसवा स्थित सीताराम मंदिर,खुटहरी के हनुमान एवं शिव मंदिर और नीलकोठी के हनुमान मंदिर से भी घंटियां चोरी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों को 25 अक्टूबर 2026 को न्यायिक अभिरक्षा में भेजने की प्रक्रिया की गई।

छापेमारी दल में शामिल अधिकारी : छापेमारी दल में पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन,राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी,पुलिस अवर निरीक्षक ओम प्रकाश चौहान,पवन यादव एवं महादेव उरांव,सहायक अवर निरीक्षक सनातन हेम्ब्रम तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

जेजेए जिला कमेटी की बैठक में संगठन का विस्तार

साहिबगंज:शहर के सब्जी मंडी रोड स्थित एक होटल में रविवार को जेजेए जिला कमेटी की बैठक हुई। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष चंदन सिंह ने की।बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रवीण कुमार मौजूद थे। इस दौरान संगठन को और अधिक मजबूत और सक्रिय बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई और कई महत्वपूर्ण निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए।बैठक में जिला स्तरीय कमेटी का विस्तार करते हुए सहेंद्र प्रसाद को जिला संगठन मंत्री,अनीस राजा को जिला मीडिया प्रभारी और पंकज वर्मा,मो हसामुद्दीन अभिजीत रक्षित, सुधीर विश्वास,कालीचरण मंडल, सुमन झा,गुड्डु कुमार रजक,रंजय कुमार,शंकर राउत व रबीउल आलम को जिला कार्य समिति सदस्य मनोनीत किया गया।इसके साथ ही सभी प्रखंडों के विस्तार को लेकर भी गंभीर चर्चा हुई।बैठक में तय किया गया कि सभी प्रखंड कमेटियों को 10 नवंबर तक हर हाल में विस्तार कर लिया जाना है,ताकि संगठन का कार्य जमीनी स्तर तक और तेजी से पहुंच सके। मानवता और पत्रकार एकता का परिचय देते हुए बैठक में नेपाल में आई बाढ़ की रासदी में पीड़ित पत्रकारों के लिए सहयोग राशि को लेकर भी विशेष चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि 10 नवंबर तक सहयोग के रूप में जो भी राशि जमा होगी उसे प्रदेश स्तर या राष्ट्रीय स्तर के संगठन को सौंप दिया जाएगा। ताकि राशि जल्दतमंद पीड़ित पत्रकारों तक पहुंच सके। बैठक में संगठन के सदस्यों के हित और सुरक्षा को लेकर भी मजबूती से पक्ष रखा गया।एह स्पष्ट किया गया कि संगठन से जुड़े किसी भी पत्रकार के साथ यदि किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार होता है,तो संगठन पूरी मजबूती के साथ उसके साथ खड़ा रहेगा और हर संभव मदद करेगा।संगठन में अनुशासन को बनाए रखने के लिए एक कड़ा नियम भी लिया गया। तय किया गया कि जिन सदस्यों को संगठन में कोई जिम्मेदारी मिली है। यदि वे लगातार तीन बैठकों में बिना किसी सूचना के शामिल नहीं होते हैं, तो उन्हें स्वतः पदमुक्त माना जाएगा। निर्णय लिया गया कि जिन नए सदस्यों को संगठन में नई जिम्मेदारी दी गई है उन्हें आगामी 22 नवंबर को होने वाली अगली बैठक में विधिवत रूप से सम्मानित किया जाएगा।मौके पर जिला उपाध्यक्ष अफसर अली,महासचिव रब नवाज आलम,सचिव आलोक कुमार,मो गुलजार जिला कोषाध्यक्ष अमित सिंह,अमित चौधरी,सदर प्रखंड अध्यक्ष मो शाहजहां काजू,सचिव अरविंद यादव,सहेंद्र प्रसाद,मुन्ना यादव,राजेश कुमार राय सहित अन्य मौजूद थे।



हिलेरी डफ ने बताई दिलचस्प बात... क्रिसमस से प्यार, लेकिन -

एक जनवरी के बाद नहीं चाहिए जश्न

अभिनेत्री और गायिका हिलेरी डफ क्रिसमस पर प्यार और उलझन, दोनों महसूस करती हैं। हालांकि, वह इस त्योहार से जुड़ी परंपराओं, संगीत, सजावट और खरीदारी का खूब आनंद लेती हैं, लेकिन चाहती हैं कि इसका उत्साह एक जनवरी तक खत्म भी हो जाए। अब हिलेरी अपने नए ईपी 'हॉलिडे थिंग्स' के जरिए क्रिसमस के इसी खास रंग को लेकर आई हैं। हिलेरी ने इंस्टाग्राम पर अपने नए ईपी के कवर फोटोशूट की कई तस्वीरें साझा कीं। इसके साथ उन्होंने बताया कि उन्हें क्रिसमस बहुत पसंद है। त्योहार से जुड़ी परंपराएं, गाने, सजावट, गर्म कपड़े पहनना, खरीदारी करना और जिंजरब्रेड से घर बनाना उन्हें काफी पसंद है। हालांकि, वह इस पूरे उत्साह को सीमित समय तक ही रखना चाहती हैं। उन्होंने लिखा, "जो लोग मुझे जानते हैं, वे जानते हैं कि मुझे क्रिसमस और छुट्टियों का मौसम बहुत पसंद है, लेकिन इसके साथ मेरा रिश्ता थोड़ा उलझा हुआ भी है। मैं क्रिसमस के उत्साह, परंपराओं, संगीत, सजावट, स्वेटर, खरीदारी, जिंजरब्रेड के घरों और ऐसी तमाम चीजों के लिए उत्साहित रहती हूं। लेकिन मैं चाहती हूँ कि यह सब एक जनवरी तक खत्म हो जाए और सारी चीजें वापस अटारी में रख दी जाएं।" हिलेरी ने आगे अपने फैंस से नए ईपी का आनंद लेने की अपील की।

उन्होंने कहा, "इस ईपी को खूब सुनें, फिर इसे समेटकर रख दें और अगले साल दोबारा इसका आनंद लें। मेरा नया ईपी 'हॉलिडे थिंग्स' अब रिलीज हो चुका है।" हिलेरी डफ ने अपने म्यूजिक करियर की शुरुआत साल 2002 में क्रिसमस एल्बम 'सांता क्लॉज लेन' से की थी। इस एल्बम में क्रिसमस से जुड़े कई लोकप्रिय गानों के नए वर्जन शामिल थे। इस क्रिसमस एल्बम में 'सांता क्लॉज इज कमिंग टू टाउन', 'जिंगल बेल रॉक', 'वंडरफुल क्रिसमस टाइम', 'स्ली राइड' और 'लास्ट क्रिसमस' जैसे लोकप्रिय गानों के नए वर्जन शामिल हैं।

4000 करोड़ की

Ramayana

पर बरसी 'श्रीराम' की कृपा



1 लाख से ज्यादा बिकी टिकटें

2 दिन की कमाई कर देगी हैरान

रामायण पार्ट 1 की छह अलग भाषाओं में हुई इतनी कमाई

रामायण पार्ट 1 भारत में हिंदी, इंग्लिश, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम 6 अलग भाषाओं में रिलीज हो रही है। हिंदी वर्जन में फिल्म का एडवांस बुकिंग कलेक्शन सबसे ज्यादा है। हिंदी भाषा में रामायण पार्ट 1 ने टिकट बिक्री से 6.63 करोड़ तक की कमाई की, वहीं कन्नड़ वर्जन में मूवी का कलेक्शन 42.06 लाख का हुआ है।

तेलुगु में फिल्म प्री-रिलीज बुकिंग में 17.29 लाख की कमाई कर चुकी है। भारत के साथ-साथ यश स्टार रामायण का क्रोज विदेशों में भी काफी ज्यादा है। ओवरसीज एडवांस बुकिंग में ओपनिंग-डे प्री-सेल्स लगभग 4.98 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस हुआ है। विदेशों में इस फिल्म का सबसे ज्यादा क्रोज नॉर्थ अमेरिका में है, क्योंकि एडवांस बुकिंग कमाई सबसे ज्यादा बाहरी देशों में वहीं हुई है।

2 दिन में रामायण पार्ट 1 लाई सुनामी

रणबीर कपूर-साई पल्लवी और यश स्टार फिल्म रामायण पार्ट 1 की एडवांस बुकिंग 20 अक्टूबर 2026 को खुली थी। 4000 करोड़ के बजट वाली नमित मल्होत्रा के प्रोडक्शन में बनी इस फिल्म की एक दिन के अंदर 92 हजार से अधिक टिकट बिकी हुई थी, जिससे रामायण पार्ट 1 की एडवांस बुकिंग कमाई 5.44 करोड़ तक पहुंच गई थी।

पडिक्कल की 199 रन की पारी से भारत ए की दमदार वापसी

साई सुदर्शन के 91 और वॉशिंगटन सुंदर के नाबाद 51 रन से भारत ए को 284 रन की बढ़त

लिंकन। देवदत्त पडिक्कल के शानदार 199 रन की बदौलत भारत ए ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट के तीसरे दिन मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। पडिक्कल दोहरे शतक से केवल एक रन दूर रह गए। उनके शानदार प्रदर्शन की मदद से भारत ए ने दूसरी पारी में आठ विकेट पर 488 रन बना लिए हैं और उसकी कुल बढ़त 284 रन हो गई है।

दिन का खेल समाप्त होने तक वॉशिंगटन सुंदर 51 रन बनाकर नाबाद थे। भारत ए ने पहली पारी में 113 रन बनाए थे, जिसके जवाब में न्यूजीलैंड ए ने 317 रन बनाकर 204 रन की बढ़त हासिल की थी। अब भारत ए ने दूसरी पारी में दमदार वापसी करते हुए मेजबान टीम के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखने की स्थिति बना ली है।

पडिक्कल और साई सुदर्शन की शानदार साझेदारी

तीसरे दिन पडिक्कल 56 और साई सुदर्शन 39 रन से आगे खेलने उठे। दोनों ने संभलकर बल्लेबाजी करने के साथ तेजी से रन भी बनाए। सुदर्शन ने अपना अर्धशतक पूरा किया, जबकि पडिक्कल ने आक्रामक अंदाज में रन जुटाए। उन्होंने जेडन लेनॉक्स की गेंद पर छक्का लगाकर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना 12वां शतक पूरा किया।



दोहरा शतक पूरा करने से चूके पडिक्कल

पडिक्कल ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखते हुए 150 रन का आंकड़ा पार किया। दूसरी ओर, राठौड़ ने क्रिस्टियन क्लार्क के एक ओवर में दो चौके और एक छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 54 गेंदों में 50 रन बनाए। हालांकि, पडिक्कल की पारी का अंत विवादास्पद तरीके से हुआ। वह 199 रन के निजी स्कोर पर लेग साइड में विकेट के पीछे कैच आउट दिए गए। उन्होंने अपायर की ओर इशारा करते हुए गेंद और बल्ले के बीच अंतर होने की बात जताई। इस फैसले के साथ ही उनका दोहरा शतक पूरा करने का सपना टूट गया। पडिक्कल ने अपनी पारी से भारत ए को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया, जहां से टीम मैच जीतने की मजबूत दावेदार बन गई है।

दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 200 से अधिक रन की साझेदारी कर भारत ए को पहली पारी की बढ़त से उबारा और मैच में मजबूत स्थिति में पहुंचाया। हालांकि, न्यूजीलैंड ए ने शॉर्ट गेंदों का इस्तेमाल कर वापसी

की कोशिश की। सुदर्शन 91 रन बनाकर स्क्वायर लेग के पीछे तैनात क्षेत्ररक्षक को कैच दे बैठे। लंच के बाद कप्तान ध्रुव जुरेल भी दो रन बनाकर आउट हो गए। इसके बावजूद पडिक्कल ने एक छोर संभाले रखा और यश

राठौड़ के साथ तेजी से रन बनाए।

निचले क्रम ने भी दिया अहम योगदान

चाय के बाद राठौड़ 66 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों ने भी उपयोगी योगदान दिया। अंशुल कंबोज ने चार चौके लगाए, लेकिन वह 22 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। वॉशिंगटन सुंदर ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और ऑकिब नबी के साथ 69 रन की साझेदारी की। नबी ने 38 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और दो छक्के शामिल रहे। सुंदर ने दिन का खेल समाप्त होने तक 51 रन बनाकर अपना अर्धशतक पूरा किया और नाबाद लौटे। रोशनी कम होने के कारण निर्धारित अतिरिक्त समय के नौ मिनट बाद खेल रोकना पड़ा। अब भारत ए के सामने यह फैसला करने की चुनौती होगी कि वह रात में पारी घोषित करें या अंतिम दिन न्यूजीलैंड ए को आउट करने के लिए पर्याप्त समय देने के उद्देश्य से बल्लेबाजी जारी रखे।

संक्षिप्त स्कोर: भारत ए पहली पारी 113 रन और दूसरी पारी आठ विकेट पर 488 रन (देवदत्त पडिक्कल 199, साई सुदर्शन 91, यश राठौड़ 66, वॉशिंगटन सुंदर नाबाद 51; जाक गिब्सन 2/58)। न्यूजीलैंड ए पहली पारी 317 रन। भारत ए को कुल 284 रन की बढ़त।



टीवी शो 'निमकी मुखिया' और 'निमकी विधायक' में अपनी एक्टिंग से पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस भूमिका गुरुंग अब वेब सीरीज 'स्नो ब्राइड' के जरिए रहस्य और रोमांच से भरी दुनिया में नजर आएंगी। यह सीरीज हिमालय के एक दूरदराज गांव की कहानी है, जहां डर, अंधविश्वास और एक खौफनाक रहस्य लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं।

वेब सीरीज 'स्नो ब्राइड' में

रहस्य सुलझाती नजर आएंगी भूमिका गुरुंग

सीरीज में भूमिका पूर्वा नाम की महिला का किरदार निभा रही हैं, जो गांव के लोगों की मान्यताओं पर आंख बंद करके भरोसा करने के बजाय सच जानने की कोशिश करती है। भूमिका का कहना है कि इस सीरीज की खास बात यह है कि दर्शक भी उनकी तरह धीरे-धीरे रहस्य की परतों को समझेंगे और गांव के बारे में अपनी धारणाओं पर सवाल उठाएंगे। छह एपिसोड वाली इस सस्पेंस क्राइम ड्रामा सीरीज में भूमिका



के साथ शिवम भार्गव, मानुल चुड़ासमा और इंद्रजीत मोदी भी अहम भूमिकाओं में हैं। कहानी ऐसे गांव में बुनी गई है, जहां यति को लेकर कई पीढ़ियों से कहानियां सुनाई जाती रही हैं। गांव की युवा महिलाओं के अचानक गायब होने की घटनाओं को यति से जोड़कर देखा जाता है।

गायब होने वाली महिलाओं को 'यति की दुल्हन' कहा जाता है और गांव के लोग डर, आस्था और पुरानी मान्यताओं के चलते इन घटनाओं को स्वीकार करते आए हैं। लेकिन जब पूर्वा इन कहानियों पर सवाल उठाना शुरू करती है, तो उसका सामना ऐसे रहस्यों से होता है, जो हर नए सवाल के साथ और भी डरावने होते जाते हैं। भूमिका ने अपने किरदार के बारे में कहा, "पूर्वा की सबसे खास बात मुझे यह लगी कि वह सिर्फ इसलिए किसी बात को सच नहीं मान लेती, क्योंकि उसके आसपास के सभी लोग उस पर विश्वास करते हैं। वह समझना चाहती है कि आखिर क्या हो रहा है, भले ही सवाल पूछने की वजह से उसे अपने आसपास के लोगों से अलग क्यों न होना पड़े।" उन्होंने आगे कहा, "पूर्वा के इस दृढ़ इरादे के साथ उसके मन में मौजूद डर और अनिश्चितता को पढ़ें पर उतारना मेरे लिए काफी दिलचस्प रहा। मुझे 'स्नो ब्राइड' की सबसे अच्छी बात यह लगती है कि दर्शक भी पूर्वा के साथ ही इस रहस्य को सुलझाते दिखेंगे। मैं चाहती हूँ कि दर्शक उसके सफर को देखें और गांव के बारे में जो कुछ वे जानते या मानते हैं,

वेलिंगटन। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ 27 अक्टूबर को वेलिंगटन में खेले जाने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से भी बाहर हो गए हैं। दाएं पैर की मांसपेशियों में खिंचाव से उबर रहे ईशान ने अभी मैच खेलने की फिटनेस हासिल नहीं की है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। बोर्ड के अनुसार, ईशान की चोट में सुधार हो रहा है, लेकिन उनकी स्थिति पर मेडिकल टीम लगातार नजर रख रही है। विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र तीसरे टी20 मुकाबले के लिए भारतीय टीम के साथ बने रहेंगे।



बीसीसीआई ने जारी किया पूरा बयान : बीसीसीआई ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में कहा, हर्ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के दौरान दाएं पैर की मांसपेशियों में हुए हल्के खिंचाव से अच्छी तरह उबर रहे हैं।

अभिनेत्री ने सुनाया फिल्म के सेट का किस्सा

ऐश्वर्या को छूने पर सलमान पर भड़के थे संजय लीला

बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान और ऐश्वर्या राय ने बॉलीवुड को कई बेहतरीन फिल्मों दी हैं। दोनों का रिश्ता भी चर्चा में रहा है। उन्हें लेकर अभिनेत्री स्मिता जयकर ने एक किस्सा साझा किया है। अभिनेत्री ने संजय लीला भंसाली की फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' के सेट पर हुई एक घटना को याद किया है। स्मिता जयकर ने बताया कि 'आंखों की गुस्ताखियां' गाने की शूटिंग के दौरान, जब सलमान खान ने ऐश्वर्या राय बच्चन का हाथ छुआ, तो भंसाली ने उन्हें डांट दिया था। 1999 की इस फिल्म में ऐश्वर्या की मां का किरदार निभाने वाली स्मिता ने बताया कि कैसे शूटिंग के दौरान दोनों कलाकारों के बीच रोमांस पनपा और आसपास मौजूद लोगों को इसका पता चल गया।

फिल्म को क्यों हुआ फायदा?

कहा जाता है कि 'हम दिल दे चुके सनम' में काम करने के दौरान सलमान और ऐश्वर्या को एक-दूसरे से प्यार हो गया था और उनका रिश्ता फिल्म की रोमांटिक कहानी से जुड़ गया था। स्मिता के अनुसार, सेट पर दोनों का एक-दूसरे के प्रति लगाव साफ दिखता था, जिससे पदों पर उनकी केमिस्ट्री और भी शानदार हो गई थी। उस दौर के अपने रिश्ते को याद करते हुए, स्मिता ने सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत में कहा, 'उस समय उनका रिश्ता परवान चढ़ रहा था। वे दोनों प्यार में थे और बहुत अच्छे लग रहे थे। उस वक्त ऐश्वर्या बहुत ही खूबसूरत लग रही थी।' यह फिल्म के लिए फायदेमंद रहा। वह जादू पदों पर भी नजर आया।

क्रू को क्यों करना पड़ा था इंतजार?

हालांकि उनके रोमांस की वजह से कभी-कभी क्रू के लोगों को उनका इंतजार करना पड़ता था। स्मिता ने बताया, 'बाकी क्रू के लोग शिकायत करते थे कि 'ये लोग कितनी देर से आते हैं! हमारी शिफ्ट सुबह 7 बजे शुरू होती है और हम यहां 10 बजे तक इंतजार करते रहते हैं, फिर भी ये लोग नहीं आते!' लेकिन मुझे हमेशा यही लगता था कि जब कोई प्यार में हो, तो आप कह ही क्या सकते हैं?' उन्होंने आगे कहा, 'वे दोनों सुबह 11 बजे एक साथ आते थे, अपने आस-पास की दुनिया से बेखबर और इस बात से भी अनजान कि पूरा सेट उनका इंतजार कर रहा है। मगर जब आप प्यार में होते हैं, तो ऐसा ही होता है।'

पहले मैच में लगी थी चोट

ईशान किशन को न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के पहले टी20 मुकाबले के दौरान चोट लगी थी। इसके बाद भारतीय टीम को अपने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करना पड़ा था। ईशान आमतौर पर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं, लेकिन उनकी चोट के कारण तिलक वर्मा को तीसरे नंबर पर उतारा गया था। ईशान ने पहले मुकाबले में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी की थी। हालांकि, वह तीन गेंदों पर केवल एक रन बनाकर मिशेल सैटनर की गेंद पर लेग साइड की बाउंड्री के पास कैच आउट हो गए थे।

वैभव सूर्यवंशी को मिल सकता है फिर मौका

ईशान की अनुपस्थिति में दूसरे टी20 मुकाबले के लिए वैभव सूर्यवंशी को अंतिम एकादश में शामिल किया गया था। एशियाई खेलों में भारत की खिताबी जीत के दौरान सेमीफाइनल और फाइनल में खेलने के बाद वैभव पिछले चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में टीम की अंतिम एकादश से बाहर थे। दूसरे मुकाबले में मौका मिलने के बाद अब उनके तीसरे टी20 में भी खेलने की संभावना है। हालांकि, अंतिम एकादश की आधिकारिक पुष्टि मैच के दिन ही होगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा टी20 मुकाबला 27 अक्टूबर को वेलिंगटन में खेला जाएगा।

ब्रिक्स संसदीय मंच से ओम बिरला बोले

साझा प्रतिबद्धताओं को ठोस परिणामों में बदलें सदस्य देश

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को ब्रिक्स देशों से अपनी साझा प्रतिबद्धताओं को ठोस परिणामों में बदलने का आह्वान करते हुए कहा कि संसदें कानून निर्माण, बजट, विचार-विमर्श और निगरानी के माध्यम से इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच संवाद, कूटनीति और आपसी सहयोग का महत्व और बढ़ गया है तथा संसदें अंतरराष्ट्रीय तनाव कम करने और समस्याओं के शांतिपूर्ण समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। बिरला ने यहां दो दिवसीय 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच, 2026 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रिक्स संसदीय सहयोग की वास्तविक शक्ति विविधताओं को सामूहिक प्रगति में बदलने की क्षमता में निहित है। उन्होंने सदस्य एवं साझेदार देशों के संसदीय प्रतिनिधियों का स्वागत

रखते हैं। यह उनकी सामूहिक शक्ति के साथ-साथ वैश्विक जिम्मेदारी को भी दर्शाता है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि ब्रिक्स देशों की भौगोलिक, सांस्कृतिक, भाषाई और सामाजिक विविधताओं के बावजूद लोकतांत्रिक मूल्यों तथा मानवता के प्रति साझा जिम्मेदारी उन्हें एक सूत्र में बांधती है। उन्होंने

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के संयुक्त वक्तव्य को सर्वसम्मति से स्वीकार किए जाने को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि अब इन प्रतिबद्धताओं को ठोस नतीजों में बदलने की जरूरत है।

बिरला ने कहा कि विश्व इस समय क्षेत्रीय संघर्षों, युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, व्यापारिक तनाव, आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इनका प्रभाव किसी एक देश को सीमाओं तक सीमित

नहीं रहता। ऐसे में संसदों को आपसी समझ और विश्वास मजबूत करने, अंतरराष्ट्रीय तनाव कम करने तथा वैश्विक चुनौतियों के शांतिपूर्ण समाधान में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत को लोकतंत्र की जननी कहा जाता है और यहां का लोकतंत्र संवाद, वैचारिक विविधता तथा सहमति-असहमति के बावजूद परस्पर सम्मान की भावना पर आधारित है। इसी लोकतांत्रिक शक्ति के आधार पर भारत अपनी विकास यात्रा में आगे बढ़ रहा है। संसद ने कानूनों और नीतियों के माध्यम से देश की बहुआयामी प्रगति के लिए ठोस आधार तैयार किया है।

ब्रिक्स को वैश्विक दक्षिण की आवाज मजबूत करने वाला मंच बताते हुए बिरला ने कहा कि सदस्य देशों की आकांक्षाएं केवल चर्चाओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उन्हें ठोस नीतियों और व्यावहारिक सहयोग में भी दिखाई देना चाहिए। उन्होंने कहा

कि 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच का विषय ह्रदयन-केद्रित विकास के लिए संसदों को सुदृढ़ बनानाह इसी दृष्टि से विशेष महत्व रखता है।

उन्होंने बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन में मजबूती और चुनौतियों से उबरने की क्षमता, नवाचार, सहयोग तथा सतत विकास जैसे चार प्रमुख विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श होगा। उन्होंने कहा कि संसदों को ऐसी संस्थाओं के रूप में विकसित करना होगा, जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में विधायी निरंतरता, जवाबदेही और लोकतांत्रिक निगरानी सुनिश्चित कर सकें। इसके लिए संसदीय कार्यप्रणाली में नवाचार, पारदर्शिता और जनभागीदारी को बढ़ावा देना जरूरी है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि संसदीय सहयोग का उद्देश्य केवल विचारों और अनुभवों का आदान-प्रदान करना नहीं, बल्कि साझा चुनौतियों के समाधान तलाशना और एक-दूसरे की सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों से सीखना भी होना चाहिए।

मध्य प्रदेश के धार में डिवाइडर से टकराकर कार में लगी आग, चार युवकों की जिंदा जलकर मौत

धार। मध्य प्रदेश के धार जिले में रविवार देर रात हुए सड़क हादसे में चार युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पांचों दोस्त सांवरिया सेट के दर्शन कर कार से घर लौट रहे थे। इसी दौरान लेबड़-नगायांग फोरलेन पर उनकी डिजायर कार अनियंत्रित होकर पुलिया के डिवाइडर से टकरा गई और नीचे जा गिरी। टक्कर के बाद कार में आग लग गई, जिससे भीतर फंसे चार युवकों की जिंदा जलने से मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार, हादसा रविवार रात करीब साढ़े 11 बजे सादलपुर थाना क्षेत्र में सादलपुर और खोरोद के बीच एक ढाबे के पास हुआ। कार में सवार पांचों दोस्त सागीर से सांवरिया सेट के दर्शन करने गए थे। लौटते समय सादलपुर के पास उनकी कार अनाक अनियंत्रित होकर पुलिया के डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का इंजन उछड़कर बाहर जा गया और वाहन पुलिया से नीचे गिर गया। इसके तुरंत बाद कार में आग भड़क उठी। हादसे के दौरान एक युवक कार से बाहर गिर गया, जबकि चार अन्य भीतर ही फंसे रह गए। आग तेजी से फैलने के कारण उन्हें बाहर निकलने का मौका नहीं मिला और कारों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, कार से बाहर गिरे युवक को गंभीर चोट आई है।

मुख्य चुनाव आयुक्त को बचाने के लिए हर हथकंडा अपना रही सरकार : खरगे



एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में इस्तेमाल किए जा रहे सॉफ्टवेयर के बारे में सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत जानकारी मांगे जाने पर चुनाव आयोग ने इसे हवापार रहस्यह्व बताया हुए जानकारी देने से इनकार कर दिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि वोट चोरी के आरोपों पर लगातार खुलासा होने के बावजूद सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए हर हथकंडा अपना रही है। खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से जुड़े मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि 16.18 लाख फॉर्म-6 आवेदनों का विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया। उन्होंने पीलीभीत में 10,470 मतदाता रिकॉर्ड

में अनियमितताओं का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अब उत्तर प्रदेश में फॉर्म-6, 7 एवं 8 की जांच के लिए आदेश देने की जरूरत पड़ रही है। खरगे ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से इस्तीफा देने और उन्हें संरक्षण देने वाला बताए जा रहे 2023 के कानून को वापस लेने की मांग की। उन्होंने एसआईआर की प्रक्रिया तत्काल रोकने और कथित तौर पर अवैध रूप से हटाए गए मतदाताओं के

नाम बहाल करने की भी मांग की। उन्होंने सभी चुनाव मतपत्रों के जरिए कराने की मांग भी की।

कांग्रेस अध्यक्ष ने नागरिकों से एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान पहुंचकर ह्वाोट बचाओ-देश बचाओह्व मार्च और महारेली में शामिल करने की अपील की। उन्होंने लोगों से मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर इस अभियान में भाग लेने की अपील की।

नेपाल में दो माह पहले आई बाढ़ से नुवाकोट जिले में पेयजल की 32 योजनाएं तबाह, 58.60 करोड़ रुपये का नुकसान

काठमांडू। त्रिशूली नदी में आई विनाशकारी बाढ़ ने नेपाल के नुवाकोट जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की संरचनाओं को तबाह कर दिया है। पेयजल योजनाओं के ध्वस्त होने से आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दो महीने पहले यानी २६ अगस्त को सुबह 10 बजे त्रिशूली नदी में आई प्रलयंकारी बाढ़ से नुवाकोट की विदुर और बेलकोटगढ़ी नगरपालिकाओं के साथ किस्पाड और तारकेश्वर ग्रामीण नगरपालिकाओं में भारी क्षति हुई थी। नुवाकोट जिला प्रशासन के अनुसार, बाढ़ ने इन स्थानीय निकायों में संचालित पेयजल की 32 योजनाओं को पूरी तरह तबाह कर दिया। इन पेयजल योजनाओं के नष्ट होने से लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। प्रशासनिक अधिकारी रुपेश प्रसाद नेपाल ने बताया कि बाढ़ से पेयजल योजनाओं को हुए नुकसान का

प्रारंभिक अनुमान 58 करोड़ 60 लाख रुपये है। प्रशासन के अनुसार कुछ योजनाओं की मरम्मत की जा रही है, जबकि कुछ का पुनर्निर्माण करना आवश्यक है। कुछ योजनाओं के माध्यम से अस्थायी रूप से पेयजल आपूर्ति शुरू की गई है। बागमती प्रदेश सरकार के अंतर्गत पेयजल एवं स्वच्छता डिवीजन कार्यालय, नुवाकोट के माध्यम से 12 हजार मीटर पेयजल पाइप उपलब्ध कराए गए हैं। विदुर पेयजल एवं स्वच्छता उपभोक्ता संस्था के माध्यम से विदुर नगरपालिका क्षेत्र में संचालित पेयजल योजनाओं की मरम्मत और पुनर्हाली के लिए पेयजल एवं ढल प्रबंधन विभाग से 100 केवीए क्षमता का जनरेटर, सेपलाइजर और 32 हजार मीटर पाइप प्राप्त हुए हैं। इनके सहयोग से अस्थायी रूप से मरम्मत का काम किया गया है। प्रशासन के अनुसार, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को प्राथमिकता देकर काम किया जा रहा है।

शरद पूर्णिमा पर राजा स्वरूप में सजे बाबा महाकाल, भस्म आरती में हुआ दित्य शृंगार

एजेंसी

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर मंदिर में सोमवार को अश्विन शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि (शरद पूर्णिमा) पर भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल का पंचामृत पूजन-अभिषेक कर राजा स्वरूप में शृंगार किया गया। इस दिव्य स्वरूप का सैकड़ों भक्तों ने दर्शन लाभ लिया।

मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि अश्विन शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर सोमवार तिढ़के चार बजे भस्म आरती के लिए पट खोले गए। इसके बाद पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित देवी-देवताओं का पूजन किया और भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर पंचामृत पूजन किया। दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से



अभिषेक के बाद भगवान का चंदन, वैष्णव तिलक और

आभूषणों से राजा स्वरूप में शृंगार किया गया।

प्रथम घंटाल बजने के बाद मंत्रोच्चार के साथ भगवान का ध्यान कर हरिओम जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद भगवान के मस्तक पर भांग, चंदन और त्रिपुंड लगाया गया। शृंगार पूरा होने पर ज्योतिर्लिंग को वस्त्र से ढँककर भस्म रमाई गई। इसके बाद भगवान को शेषनाग का रजत मुकुट, चांदी की मुंडमाल और रुद्राक्ष की माला अर्पित की गई। मोगरे और गुलाब के सुगंधित पुष्पों से भगवान का शृंगार किया गया। फल और मिष्ठान का भोग भी लगाया गया।

भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और बाबा महाकाल के दर्शन कर अशीर्वाद लिया। महा निवाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। मान्यता है कि भस्म अर्पित होने के बाद भगवान महाकाल निराकार से साकार रूप में दर्शन देते हैं।

कमजोर शुरूआत के बाद रिकवरी करने में सफल रहा शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी उछल्ले

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान भारी उतार-चढ़ाव के बाद निचले स्तर से शानदार रिकवरी होती हुई नजर आ रही है। आग के कारोबार की शुरूआत गिरावट के साथ लाल निशान में हुई थी। बाजार खुलने के तुरंत बाद मंदीइयों ने बिकवाली का चोतरफा दबाव बना दिया, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरते चले गए। हालाँकि लौकन थोड़ी देर बाद ही निचले स्तरों से शुरू हुई खरीदारी के कारण बाजार शानदार वापसी करने में। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.37 प्रतिशत और निफ्टी 0.32 प्रतिशत की बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 133.79 अंक यानी 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,990.04 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बाजार में



बिकवाली का दबाव बन गया। लगातार हो रही बिकवाली के चलते यह सूचकांक गिरकर 72,514.57 अंक के निचले स्तर तक चला गया। आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) जैसे कुछ बड़े हैवीवेट शेयरों में आई गिरावट से बाजार पर शुरूआती दबाव बना। थोड़ी देर बाद ही निचले स्तर पर लिवालोंने मोर्चा संभाल लिया।

खासकर, कोटक महिंद्र बैंक व जेएसडब्ल्यू स्टील जैसी दिग्गज कंपनियों के शेयरों में आँ जोरदार खरीदारी से बाजार को सहारा मिला। खरीदारी के इस सपोर्ट से सेंसेक्स ने अपनी पूरी कमजोरी से उबरते हुए गिरावट को पाट दिया और उछल कर 73,491.97 अंक के ऊपरी स्तर तक पहुँच गया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच शुरूआती एक घंटे

का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 273.48 अंक यानी 0.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ 73,397.31 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा था।

सेंसेक्स की ही तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 75.60 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की कमजोरी दर्ज करते हुए 22,524.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही पहले मंदीइयों ने दबाव बनाया, जिससे निफ्टी की चाल में भारी गिरावट आ गई। बिकवाली के दबाव में यह सूचकांक फिसल कर 22,387.35 अंक के निचले स्तर तक चला गया। हालाँकि, शुरूआती झटके के बाद प्रमुख फार्मा और मेटल शेयरों में शुरू हुई लिवाली के चलते इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक ने 22,706.15 अंक तक पहुँचने में सफल रहा। बाजार में लगातार

जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 72.85 अंक यानी 0.32 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,672.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,976 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,012 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,964 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 11 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 10 शेयर हरे निशान में और 40 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। आज के कारोबार में स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से

टॉप गेनर्स की सूची में बीएसई लिमिटेड 3.82 प्रतिशत, डॉ रेड्डीज लैक्स 3.02 प्रतिशत, जेएसडब्ल्यू स्टील 2.42 प्रतिशत, कोटक महिंद्र 2.07 प्रतिशत और कोल इंडिया 0.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ बाजार को ऊपर खींचने की कोशिश कर रहे थे। दूसरी ओर, टॉप लूजर्स में श्रीराम फाइनेंस 4.55 प्रतिशत, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 3.01 प्रतिशत, एशियन पेंट्स 2.57 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 1.48 प्रतिशत और आयरशर मोटर्स 0.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए थे।

इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 125.56 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 73,123.83 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 87.65 अंक यानी 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,600 अंक के स्तर पर शुक्रवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज़ IN बीफ

कश्मीर में कड़ाके की ठंड शुरू, शोपियां में तापमान जमाव बिंदु से नीचे, लेह में तापमान -4.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में शोपियां सबसे ठंडा इलाका रहा, जहां न्यूनतम तापमान -0.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लद्दाख के लेह में न्यूनतम तापमान -4.1 डिग्री सेल्सियस रहा। राजौरी में तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस और किश्तवाड़ में 7.9 डिग्री सेल्सियस रहा। प्रमुख पर्यटन स्थलों की बात करें, तो पहलगाम में न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि गुलमर्ग और सोनमर्ग में यह क्रमशः 0.6 और 0.5 डिग्री सेल्सियस रहा। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 3.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। काजीगुंड में तापमान 2.6 डिग्री सेल्सियस और कुपवाड़ा में 2.8 डिग्री सेल्सियस रहा। श्रीनगर हवाई अड्डे पर न्यूनतम तापमान 1.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अवंतीपोरा और बडगाम में यह क्रमशः 1 और 2 डिग्री सेल्सियस रहा। पुलवामा में न्यूनतम तापमान 0.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पेंपेर के कोनिबल में 2.1 डिग्री सेल्सियस रहा। बारामूला और बांदीपोरा में न्यूनतम तापमान क्रमशः 4.2 और 3.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जम्मू संभाग में जम्मू शहर का न्यूनतम तापमान 14.4 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि कठुआ और जम्मू हवाई अड्डे पर यह क्रमशः 15.2 और 16.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बनिहाल में न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि भद्रवाह में 4.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

नॉर्थ ब्लॉक की छत पर वेल्डिंग के दौरान उठा धुआं, तुरंत पाया गया काबू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन के पास स्थित नॉर्थ ब्लॉक में सोमवार को आग लगने की सूचना से हड़कंप मच गया। इमारत के ऊपर धुएँ का गुबार दिखाई देने के बाद दमकल विभाग को सूचना दी गई। हालाँकि, शुरूआती जानकारी के मुताबिक, नॉर्थ ब्लॉक की छत पर निर्माण कार्य के दौरान वेल्डिंग करते समय चिंगारी उठने से धुआं हुआ। इस पर तुरंत काबू पा लिया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के मुताबिक, नॉर्थ ब्लॉक में आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल की गाड़ियों को मौके के लिए रवाना किया गया। घटनास्थल पर स्थिति का जायजा लिया जा रहा है। राज्यसभा सदस्य मिलिंद देवरा ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर धुएँ की तस्वीर साझा की। उन्होंने कहा कि संसद जहाँ समय उन्होंने नॉर्थ ब्लॉक के पीछे से घना धुआं उठते देखा। सभी सुस्थित होंगे और आपातकालीन सेवाएं तेजी से कार्रवाई कर रही होंगी।

रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाइवे पर यात्री बस खड़े ट्रक से टकराई, तीन यात्रियों की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाइवे 130 पर सोमवार सुबह लगभग साढ़े पांच बजे सड़क हादसा हो गया। बलौदाबाजार जिले के सिमगा थाना क्षेत्र के दरचुरा के पास तेज रफ्तार यात्री बस बस खड़े ट्रक में जा घुसी। घटना में 3 यात्रियों की मौत की जानकारी मिली है। जबकि 10 लोग घायल बताए जा रहे हैं। मृतकों की शिनाख्त की जा रही है। सिमगा पुलिस के अनुसार रॉयल ट्रेवल्स की बस (सीजी 04 एनएम 0859) सोमवार सुबह अंबिकापुर से यात्रियों को लेकर रायपुर के लिए निकली थी। अधिकतर यात्री नींद में थे। बस में करीब 22 यात्री सवार थे। सड़क पर तेज रफ्तार में दौड़ रही बस सुबह करीब 5:30 बजे दरचुरा के पास खड़े ट्रक में जा घुसी। बताया गया है कि ट्रक के आसपास झाड़वों को सचेत करने के लिए ट्रैफिक कोन (चेतावनी संकेत) लगाए गए थे, लेकिन तेज रफ्तार बस का झाड़व शाद उ उन्हें देख नहीं पाया और बस सीधे ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी। यात्रियों को संभलने का मौका भी नहीं मिल पाया। 3 लोगों की मौके पर ही मौत गई। वहीं 8 से 10 लोग गंभीर घायल हो गए हैं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि यात्री बस में बुरी तरह फंस गए, जिन्हें बाद में गैस करदस्त थी कि यात्री बस में बुरी तरह फंस गए, जिन्हें बाद में गैस करदस्त की मदद से बाहर निकाला गया। घटना की सूचना मिलते ही सिमगा थाना पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को तुरंत इलाज के लिए सिमगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। जहां उनका इलाज जारी है।वहीं मृतकों के शव को पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के बाद मृतकों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। फिलहाल पुलिस दोनों वाहनों को मार्ग से हटाकर किनारे कर रही है। ताकि यातायात अवरुद्ध न हो। पुलिस हादसे के कारणों की तलाश में जुटी है। उल्लेखनीय है कि रविवार को कोरिया जिले में चत्पां थाना क्षेत्र के नगर गांव के पास बस और बोलेरो में टक्कर हो गई। दुर्घटना में बोलेरो सवार महिला ने दम तोड़ दिया। वहीं चार बच्चों समेत 14 लोग घायल हुए। इससे पहले गुरुवार को मर्नेदगढ़ से कल्लहारी जा रही यात्रियों से भरी एक तेज रफ्तार बस सेमरमथाणी मोड़ पर अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए।

वाहन की चपेट में आने से मजदूर की मौत



डेहरी आन सोन। रोहतास जिले के सासाराम नगर थाना क्षेत्र के फजलगंज में पुरानी जीटी रोड पर सोमवार सुबह वाहन की चपेट में आने से एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक की शिनाख्त बड़ौ थााना क्षेत्र के कचनथ गांव निवासी 48 वर्षीय जयप्रकाश पासवान के रूप में की गई है। धक्का मारने के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। घटनास्थल पर एक वाहन का एक नंबर प्लेट मिला है, उम्मीद जताई जा रही है यह नंबर प्लेट उसी वाहन का है जिससे धक्का लगा है। घटनास्थल पर आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया है। सड़क पर उतरे लोग मृतक के आश्रित को उचित मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

नेपाल को मिलने वाली विदेशी आर्थिक सहायता में साढ़े तीन गुना गिरावट आई

काठमांडू। नेपाल को मिलने वाली विदेशी सहायता की प्रतिबद्धता में साढ़े तीन गुना की गिरावट आई है। चालू वित्त वर्ष के लिए नेपाल सरकार ने 61 अरब 74 करोड़ 54 लाख रुपये विदेशी अनुदान और 248 अरब 28 करोड़ रुपये विदेशी ऋण जुटाने का लक्ष्य रखा है। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2026/27 के सितंबर महीने में विदेशी सहायता की प्रतिबद्धता 2 अरब 20 करोड़ 38 लाख नेपाली रुपये रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की इसी अवधि में यह राशि 8 अरब 6 करोड़ रुपये थी। इस अवधि में प्राप्त सहायता की पूरी प्रतिबद्धता अनुदान के रूप में थी। चालू वित्त वर्ष के सितंबर महीने में प्राप्त विदेशी सहायता प्रतिबद्धता में सबसे अधिक 70 प्रतिशत हिस्सा कृषि क्षेत्र का रहा।



शरद पूर्णिमा उत्सव में 100 लोगों ने किया प्रसाद ग्रहण



कोडरमा: डोमचांच के ढाब रोड स्थित बालिका उच्च विद्यालय में रविवार को विवेकानन्द प्रभात शाखा की ओर से शरद पूर्णिमा उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोगों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर करीब 100 लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के माध्यम से आपसी सौहार्द, सामाजिक एकता और भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था का संदेश दिया गया। प्रसाद वितरण के दौरान लोगों में आपसी मेलजोल और सद्भाव का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर नीरज कुमार, पवन बरनवाल, रौशन राज, नरेंद्र कुमार, सीतेश गुप्ता, रंजीत कुमार, रंजन कुमार, बिट्टू मोदी, पुलकित गुप्ता, जितेंद्र कुमार, अखिल सिन्हा, संगीता सिन्हा और कृष्णा कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

विवेकानन्द प्रभात शाखा की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम ने धार्मिक परंपराओं के संरक्षण के साथ सामाजिक सहभागिता और सामूहिकता की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया।

आईएसएस छवि रंजन के सचिव स्तर पर पदोन्नत होने की संभावना



रांची: भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2011 बैच के अधिकारी और वर्तमान में झारखंड के खेल निदेशक के पद पर कार्यरत छवि रंजन की सचिव स्तर पर पदोन्नति की संभावना है। इस संबंध में प्रारंभिक औपचारिकताएं लगभग पूरी होने की बात कही जा रही है। छवि रंजन अपने प्रशासनिक कार्यकाल के दौरान विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर चुके हैं। उन्होंने लातेहार में प्रशिक्षण के बाद चक्रधरपुर में अनुमंडल पदाधिकारी तथा लोहरदगा में उप विकास आयुक्त के रूप में कार्य किया। इसके बाद वे कोडरमा, सरायकेला-खरसावां और

रांची के उपायुक्त भी रहे।

रांची के उपायुक्त के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान कोरोना महामारी से निपटने के लिए किए गए प्रयासों को भी महत्वपूर्ण माना गया। वर्तमान में खेल निदेशक के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान झारखंड में ट्वेंटरंड कप फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन भी उपलब्धियों में शामिल रहा। प्रशासनिक अनुभव और विभिन्न विभागों में कार्य करने की क्षमता के आधार पर उनकी पदोन्नति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सचिव स्तर पर पदोन्नति के बाद उन्हें जिस विभाग की जिम्मेदारी मिलेगी, वहां उनके अनुभव का लाभ मिलने की उम्मीद है।

चक्रधरपुर के ठठेरा मोहल्ले में श्रद्धा और उल्लास के साथ हुई मां लक्ष्मी की पूजा



चक्रधरपुर: शहर के ठठेरा मोहल्ले में मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ संपन्न हुई। पूजा का आयोजन विधि-विधान के साथ शहर के प्रख्यात पंडित सीताराम दुबे ने कराया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं तथा पूजा समिति के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया गया। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय माहौल बना रहा। इस अवसर पर ठठेरा मोहल्ला दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष राजू प्रसाद कसेरा ने पूजा में शामिल होने वाले सभी पदाधिकारियों, सदस्यों और शहरवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पूजा पंडाल में

पहुंचकर श्रद्धालुओं ने मां लक्ष्मी के दर्शन किए और प्रसाद ग्रहण किया। समिति की ओर से आयोजन में शामिल सभी लोगों का धन्यवाद किया गया।

सीपीआर प्रशिक्षण से सीखें जीवन बचाने के तरीके, मेदांता के विशेषज्ञों ने दी जानकारी

कोडरमा केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन और जय प्रभा मेदांता अस्पताल, पटना की संयुक्त पहल; हृदय गति रुकने पर शुरूआती मिनटों को बताया महत्वपूर्ण

झुमरी तिलैया: हृदय गति अचानक रुकने जैसी आपातकालीन स्थिति में समय पर दी गई सहायता किसी व्यक्ति के लिए जीवनदान साबित हो सकती है। ऐसी स्थिति में सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) की सही जानकारी और त्वरित कार्रवाई से मरीज के जीवित बचने की संभावना बढ़ सकती है। इसी उद्देश्य से जय प्रभा मेदांता सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, पटना और कोडरमा केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में माहुरी धर्मशाला में सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में दवा व्यवसायियों और अन्य प्रतिभागियों को हृदय संबंधी आपातकालीन परिस्थितियों में प्राथमिक जीवनरक्षक सहायता देने के तरीकों की जानकारी दी गई। मेदांता अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने सीपीआर के महत्व, उसकी

आवश्यकता और आपातकालीन स्थिति में अपनाए जाने वाले उपायों के बारे में विस्तार से बताया।

इस दौरान डॉ. शमशाद आलम, एसोसिएट डायरेक्टर, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी; डॉ. गौरव कुमार, जीआई सर्जरी तथा ब्रदर अल्फ्रेड विलियम ने प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण चिकित्सकीय जानकारीयां दीं।

हृदय गति रुकने पर शुरूआती मिनट बेहद अहम: विशेषज्ञों ने बताया कि जब किसी व्यक्ति की हृदय गति अचानक रुक जाती है, तो शुरूआती कुछ मिनट बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। ऐसी स्थिति में मरीज की हालत को तुरंत पहचानना, आपातकालीन चिकित्सा सहायता के लिए संपर्क करना और आवश्यकतानुसार सीपीआर देना जरूरी है। समय पर प्राथमिक जीवनरक्षक सहायता मिलने से मरीज के बचने की



संभावना बढ़ सकती है।

उन्होंने कहा कि सीपीआर की जानकारी केवल डॉक्टरों, नर्सों और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। आम नागरिकों, दवा व्यवसायियों

और समाज के प्रत्येक वर्ग को इसकी बुनियादी जानकारी होनी चाहिए, ताकि जरूरत पड़ने पर किसी की जान बचाने में मदद की जा सके। जागरूकता और समय पर की गई कार्रवाई कई बार

जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर साबित हो सकती है।

पेट संबंधी बीमारियों और खानपान पर भी दी जानकारी: कार्यक्रम के दौरान डॉ. गौरव कुमार ने पेट संबंधी विभिन्न

बीमारियों, उनके संभावित कारणों, बचाव के उपायों और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि संतुलित खानपान, नियमित दिनचर्या और स्वास्थ्य के



नई दिल्ली: वकालत केवल करियर या आजीविका का साधन नहीं, बल्कि न्याय, नैतिकता और जनसेवा के प्रति आजीवन प्रतिबद्धता है। यह बात सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह ने नवप्रवेशी अधिवक्ताओं के बैंड बंधाई समारोह में कही।

उन्होंने कहा कि एक सफल अधिवक्ता की पहचान केवल उसकी दलीलों से नहीं, बल्कि उसके चरित्र, ईमानदारी और

कर्तव्यनिष्ठा से होती है। कानूनी पेशे में सफलता हासिल करने के लिए किताबी ज्ञान के साथ निरंतर अध्ययन, अनुशासन, ईमानदारी और कानून के प्रति गहरा सम्मान आवश्यक है।

संजीव कुमार सिंह ने कहा कि न्यायालय में प्रभावी पैरवी की नींव मामले के तथ्यों की सही समझ, गहन तैयारी और तर्कों की स्पष्टता पर टिकी होती है। वकालत में वास्तविक सफलता केवल

मुकदमा जीतना नहीं, बल्कि अपने सिद्धांतों पर अडिग रहते हुए न्याय की प्रतिष्ठा बढ़ाना है।

दलीलें भूल जाएं, लेकिन ईमानदारी याद रहती है: युवा अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लोग मुकदमे में दी गई दलीलें भूल सकते हैं, लेकिन अधिवक्ता का ईमानदार आचरण और भरोसेमंद व्यवहार लंबे समय तक याद रखते हैं। इसलिए प्रत्येक अधिवक्ता को

बचाओढ्ह अभियान की शुरूआत की थी। इसके बाद चराई, केरकी और कुटिया में 27 एकड़ जमीन पर बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की इस मुहिम को देश-विदेश तक पहुंचाया गया है। नेपाल, भूटान, म्यांमार, सिंगापुर, मलेशिया, अजरबैजान, थाईलैंड,

उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की इस मुहिम को देश-विदेश तक पहुंचाया गया है। नेपाल, भूटान, म्यांमार, सिंगापुर, मलेशिया, अजरबैजान, थाईलैंड,

डाटम-पाटम जलप्रपात में नहाने के दौरान दो युवक डूबे, तलाश जारी

लातेहार: हेरहंज थाना क्षेत्र स्थित डाटम-पाटम जलप्रपात में रविवार को नहाने के दौरान दो युवकों के डूबने की सूचना सामने आई। दोनों की पहचान पांकी थाना क्षेत्र के आसिफ अंसारी और आकिब कुरैशी के रूप में हुई है। घटना की आधिकारिक पुष्टि खबर लिखे जाने तक नहीं हो सकी थी। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक रविवार को जलप्रपात में नहाने गए थे। इसी दौरान वे गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। उन्हें डूबता देख स्थानीय लोगों ने शोर मचाया, लेकिन तब तक दोनों पानी में लापता हो चुके थे। ग्रामीणों ने इसकी सूचना हेरहंज थाना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से दोनों युवकों की तलाश शुरू कराई। शाम होने के कारण तलाशी अभियान में परेशानी आई और दोनों का पता नहीं चल सका। थाना प्रभारी सतेंद्र कुमार के अनुसार, दोनों युवकों की तलाश जारी है। घटना की विस्तृत जानकारी और आधिकारिक पुष्टि की प्रतीक्षा है।

ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही बेला उरांव, चार गुना आय बढ़ाकर बर्नी मिसाल

रांची: झारखंड के बेरो प्रखंड के कोटपाली गांव की बेला उरांव ने पलाश उत्तम एग्रो प्रोसेसिंग यूनिट से जुड़कर अपनी मासिक आय 2,000 रुपये से बढ़ाकर 8,000 रुपये कर ली है। कभी ग्राहकों से बात करने में झिझकने वाली बेला आज मार्केटिंग इंचार्ज के रूप में काम कर रही हैं। वह 22 ग्रामीण महिलाओं को उत्पादों की बिक्री, ग्राहकों से संवाद और मार्केटिंग के गुर सिखा रही हैं। जरिया के क्लस्टर लेवल फेडरेशन के अंतर्गत संचालित इस पहल से जुड़ी महिलाएं हर महीने 1,500 से 2,000 रुपये तक की अतिरिक्त आय अर्जित कर रही हैं। बेला स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद ग्राम संगठन की अध्यक्ष बनीं। इस दौरान उन्होंने महिलाओं को बचत, ऋण सुविधाओं और सरकारी योजनाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रशिक्षण से बेला का आत्मविश्वास बढ़ा है। अब वह अन्य महिलाओं को भी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उनका लक्ष्य पलाश उत्तम के उत्पादों को गांवों से बाहर के बाजारों तक पहुंचाना और स्थानीय किराना दुकानों में उनकी उपलब्धता बढ़ाना है। बेला उरांव की कहानी ग्रामीण महिलाओं के कौशल विकास, आत्मविश्वास और महिला नेतृत्व वाले उद्यमों के माध्यम से आजीविका के नए अवसर सृजित करने की प्रेरक मिसाल है।

प्रति सजगता कई बीमारियों से बचाव में सहायक हो सकती है। उन्होंने लोगों को पेट संबंधी समस्याओं को नजरअंदाज नहीं करने और परेशानी होने पर समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी। साथ ही, दैनिक जीवन में खानपान की आदतों में सुधार करने और संतुलित आहार अपनाने पर जोर दिया।

आपातकालीन स्थिति में त्वरित कार्रवाई पर जोर: प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सीपीआर के मूल सिद्धांतों, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया और प्राथमिक जीवनरक्षक उपायों की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने कहा कि ऐसी स्थिति में घबराने के बजाय सही जानकारी के आधार पर तुरंत कदम उठाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि दवा व्यवसायी आम लोगों के सीधे संपर्क में रहते हैं। ऐसे में उन्हें प्राथमिक जीवनरक्षक उपायों की जानकारी होना समाज के लिए

उपयोगी साबित हो सकता है। इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जनजागरूकता बढ़ाने और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की क्षमता विकसित करने में मदद मिलती है।

जय प्रभा मेदांता सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, पटना और कोडरमा केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन की यह संयुक्त पहल जनस्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने, लोगों को आपातकालीन चिकित्सा सहायता के लिए प्रशिक्षित करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में एसोसिएशन के अध्यक्ष सतीश कुमार के अलावा किशोर मोदी, विशाल मोदी, हरजीत सिंह, राकेश कुमार, महेंद्र सिंह, राहुल बड़गवे, प्रदीप हिसारिया, संजय बड़गवे, विजय कुमार, आनंद कुमार और शिशु वर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।